HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
Of
M.A. (Political Science) Semester Exam
UNDER FACULTY OF ARTS
Session 2023-24
(Approved by Board of Studies)
Effective from June 2023

क्र.	दिन	सदस्य	हस्ताक्षर
(1)		डॉ. अमिता बक्षी	
(2)		डॉ. सुचित्रा खोबरागड़े	[illegible]
(3)		डॉ. राजबाला गुरु	
(4)		डॉ. सुनीता मिश्रा	[illegible]
(5)		डॉ. मणिमेखला शुक्ला	[illegible]

M.A. Political Science

Semester-III and Semester-IV

PAPER	SEMESTER - III	MARKS			SEMESTER - IV	MARKS		
		Theory	Internal	Credit		Theory	Internal	Credit
I	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत (Principal of International Politics)	80	20	05	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के समकालीन मृद्दे (Contemporary issues of International Politics)	80	20	05
II	लोकप्रशासन भाग– 1 (Public Administration Part- 1)	80	20	05	लोकप्रशासन भाग– 2 (Public Administration Part- 2)	80	20	05
III	शोध प्रविधि भाग– 1 (Research Methodology Part- 1)	80	20	05	शोध प्रविधि भाग– 1 (Research Methodology Part- 2)	80	20	05
IV	छत्तीसगढ़ का शासन एवं राजनीति (Government and Politics of Chhattisgarh)	80	20	05	अंतर्राष्ट्रीय कानून (International Law)	80	20	05
					Project Work VIVA-VOCE			
Total = 400				20	Total = 400			20

नियमावली–

1. उपर्युक्त समस्त प्रश्न पत्र अनिवार्य होंगे।
2. प्रत्येक प्रश्न पत्र में (सभी सेमेस्टर में) सैद्धान्तिक परीक्षा में 80 पूर्णांक होगा और 20 अंको का आन्तरिक मूल्यांकन होगा। इस प्रकार सभी प्रश्न पत्र में पूर्णांक 100 होगा।
3. प्रत्येक प्रश्न पत्र में आन्तरिक मूल्यांकन होगा की दो परीक्षाएं होगी जिसके सर्वोच्च अंक विश्वविद्यालय के प्रेषित किए जाएंगे।
4. प्रथम, द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर में पूर्णांक 400 होगा। चतुर्थ सेमेस्टर में पूर्णाक 500 होगा।
5. एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में 100 अंको की मौखिक परीक्षा होगी जिसमें 50 अंक परियोजना कार्य पर होगे और 50 अंको की मौखिक परीक्षा होगी।
6. परियोजना कार्य – कौशल विकास, रोजगार मुखी, ग्रामीण विकास, देश के महापुरूष, प्रमुख राजनीतिज्ञ, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, छत्तीसगढ़ की राजनीति और शासन व्यवस्था पर आधारित होगा।
7. इस प्रकार एम.ए. राजनीति विज्ञान में कुल पूर्णांक 1700 होगा।
8. प्रत्येक प्रश्न पत्र 4 इकाइयों में विभाजित होगा।

क्र.	दिन	सदस्य	हस्ताक्षर
(1)		डॉ. अमिता बक्षी	
(2)		डॉ. सुचित्रा खोबरागड़े	[signature]
(3)		डॉ. राजबाला गुरु	
(4)		डॉ. सुनीता मिश्रा	[signature]
(5)		डॉ. मणिमेखला शुक्ला	[signature]

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव, जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग

वर्ष 2023–24

प्रोजेक्ट कार्य
" वैश्वीकरण "

-:: प्राचार्य::-
डॉ. श्रीमती बी.एन.मेश्राम

-:: निर्देशक ::-
श्री योगेन्द्र देवांगन (अतिथि व्याख्याता)
श्री किशन साहू (अतिथि व्याख्याता)
सुश्री संध्या मेश्राम (अतिथि व्याख्याता)
(राजनीति विज्ञान)
शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगांव,जिला - राजनांदगांव(छ.ग.)

-:: प्रस्तुतकर्ता ::-
चांदनी निर्मलकर
ए म.ए. चतुर्थ सेमेस्टर
(राजनीति विज्ञान)
शास.डॉ.बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगांव,जिला - राजनांदगांव (छ.ग.)

//प्रमाण-पत्र//

प्रमाणित किया जाता है कि चांदनी निर्मलकर एम.ए. राजनीति चतुर्थ सेमेस्टर शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव की नियमित छात्रा है।

यह प्रोजेक्ट '' वैश्वीकरण '' के संदर्भ में अंकित की गई फाईल है जो कि 2023-24 के राजनीति चतुर्थ सेमेस्टर की अंतिम वर्ष के रूप में अंकित किया गया है और यह फाईल को तैयार किया गया है।

प्रस्तुत फाईल मेरे निर्देशन में तैयार किया गया है।

निर्देशक

श्री योगेन्द्र देवांगन

(अतिथि व्याख्याता)

(राजनीति विज्ञान)

शास. डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव

जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)

// घोषणा-पत्र //

मैं चांदनी निर्मलकर राजनीति चतुर्थ सेमेस्टर शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव , जिला - राजनांदगांव (छ.ग.) की नियमित छात्रा हूं, जो कि यह प्रोजेक्ट '' वैश्वीकरण '' पर आधारित है और वैश्वीकरण के महत्व को समझने के सिद्धांत के लिये बनाया गया है।

यह फाईल राजनीति विज्ञान के अतिथि व्याख्याता श्री योगेन्द्र देवांगन सर के निर्देशन में तैयार किया गया है।

चांदनी

प्रस्तुतकर्ता

चांदनी निर्मलकर

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

(राजनीति विज्ञान)

शास. डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव

जिला-राजनांदगांव (छ.ग.)

रूपरेखा:–

- प्रस्तावना
- वैश्वीकरण का अर्थ
- वैश्वीकरण की परिभाषा
- वैश्वीकरण का प्रकार
- वैश्वीकरण का उद्देश्य
- वैश्वीकरण की विशेषता
- वैश्वीकरण का महत्व
- वैश्वीकरण का कारण
- वैश्वीकरण का सिद्धान्त
- वैश्वीकरण का लाभ
- वैश्वीकरण की हानि
- वैश्वीकरण की अवधारणा
- वैश्वीकरण और भारत
- वैश्वीकरण की ओर प्रयास
- वैश्वीकरण अर्थव्यवस्था के विश्वव्यापीकरण की समस्या
- वैश्वीकरण में बहु राष्ट्रीय नियमों की भूमिका
- वैश्वीकरण के समक्ष चुनौतियॉ
- वैश्वीकरण औश्र विकासशील देश
- वैश्वीकरण और अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रभाव
- वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर शक्तियॉ
- वैश्वीकरण को प्रोत्साहित करने वाले कारक
- वैश्वीकरण से उत्पन्न समस्याएँ
- वैश्वीकरण का दुष्परिणाम या दोष
- उदारीकरण
- उदारीकरण का प्रभाव .
- वैश्वीकरण उदारीकरण एवं निजीकरण से अभिप्राय
- उदारीकरण का अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव
- निष्कर्ष

➢ प्रस्तावनाः–

20वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था में आमूल चूक परिवर्तन की दौर प्रारम्भ हुआ। शीत युद्ध के अंत सोवियत संघ के विघटन पूर्वी यूरोप से साम्यवाद के अवसान जर्मनी के एकीकरण और उदीयमान एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था ने एक दुनिया को नई विश्व व्यवस्था की ओर धकेला। नई विश्व सबल प्रदान किया विश्व आने वाले बदलावों ने नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक जाने लगी। भूखण्डलीकरण आर्थिक उदारीकरण निजीकरण बाजारोंन्मुख अर्थव्यवस्था निगमीकरण,प्रतिस्पर्द्धात्मक और खुली अर्थव्यवस्था जेसे नारे गुंजने लगे। अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप कर वित्तीय और व्यापारिक संस्थाओं का महत्व बढने लगा। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन जैसे– निकाय अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के निर्धारण में प्रभावी भूमिका का निर्वाद करने लगे तथा वैश्वीकरण वर्तमानकाल का एक प्रचलित शब्द है इसकी पूरी सम्भावना है कि आपने इसके विषय में समाचार पत्रो में पढा होगा अथवा वैश्विक गांव (ग्लोबल विलेज) जेसे कथनों को सुना होगा । आप अक्सर सरकारी अध्यक्षों अथवा शीर्ष अधिकारियों को दूसरे देशों में जाते हुये और द्विपक्षी करारों पर हस्ताक्षर करते हुये भी व्यपाक स्तर पर देख सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड के शीतल पेय वाहन वस्त्र मोबाईल फोन विश्व के हर कोने में उपलब्ध है तथा वैश्वीकरण की जितनी भी अर्थव्यवस्था है उन सभी को एक दूसरे के साथ मिलाना समन्वय करना वैश्वीकरण तथा ऐसी प्रकिया जिसके द्वारा विश्व की सभी देशों का अर्थ व्यवस्था का एकीकरण किया जाता है उसे वैश्वीकरण कहते हैं तथा वैश्वीकरण में पूॅजी, वस्तु औद्योगिकी श्रम का प्रवाह एक देश से दूसरे देशों में आसानी से प्रवाह होता है यानी अपने देश के अलावा दूसरे देशों में भी पूॅजी अनवेस्ट कर सकते हैं।

➢ वैश्वीकरण का अर्थ :–

वैश्वीकरण का अर्थ है पूरे विश्व में एक केन्द्रिय व्यवस्था का होना। वैश्वीकरण विश्व में चारों ओर अर्थव्यवस्थाओं का बढता हुआ एकीकरण है यह एकीकरण प्रमुख रूप से व्यापार तथा वित्तीय प्रवाहों के माध्यम से होता है।घरेलु बाजार में जो बाजार शक्तियॉ किया करती है उन्ही का राष्ट्र सीमाओं के बाहर शक्तियॉ किया करती है। उन्ही का राष्ट्र सीमाओं के बाहर विस्तार ही वैश्वीकरण है। वैश्वीकरण बाजार अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्था एवं श्रम विभाजन के माध्यम से कार्यकुशलता को प्रोत्साहित करता है। वैश्वीकरण के द्वारा ही विश्व बाजार की परिकल्पना साकार हो रही है।

को हटज़रि बराबरी का रास्ता चाहता है और इसके लिये हर उस कदम को सही मानता है जो रास्ते की बाधाओं को दूर के। उदारीकरण की प्रक्रिया ने वैश्वीकरण के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है।

➢ **निष्कर्षः–**

वैश्वीकरण ने विकासशील देशों के साथ बडी आबादी को रोगार के लिये सस्ती कीमत आवले उत्पादों और समग्र आर्थिक लाभों की विविधता ला दिया है। वैश्वीकरण के कारण आज पूरे देश का विकास तीव्र गति से हो रहा है अगर वैश्वीकरण का निर्माण नहीं होता तो देश का विकास भी नहीं हो पाता। देश राज्य का विकास करने के लिये ही वैश्वीकरण का निर्माण किया गया है।

HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website -www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
of
M. Com. (Semester Exam)

UNDER

FACULTY OF COMMERCE

Session 2023-24

(Approved by Board of Studies)
Effective from June 2023

महत्वपूर्ण नोट :

सत्र 2014–15 से एम. कॉम. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर में सभी प्रश्न–पत्र अनिवार्य होंगें। उक्त परीक्षा में वैकल्पिक प्रश्न–पत्र चयन की व्यवस्था नहींहोगी।

एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर में विशिष्टिकरण समूह (A), (B), (C), (D) या (E) में से किसी भी एक वैकल्पिक समूह का चयन कर उस समूह के सभी चार प्रश्न–पत्र अनिवार्य रूप सेलेने होंगें।

एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर में उपरोक्त विशिष्टीकरण समूह के अतिरिक्त 50 अंक की मौखिक परीक्षा तथा 50 अंक का शोध प्रबंध परियोजना (Project Work) (अधिकतम 50 पृष्ठों का) तैयार करना अनिवार्य होगा। यह शोध प्रबंध परियोजना (Project Work) वाणिज्य या प्रबन्ध विषय से सम्बन्धित होगा। परीक्षार्थी का मूल्यांकन स्वंय उपस्थित के आधार पर होगा।

सभी प्रश्न–पत्रों में लिखित परीक्षा 80 अंकों की तथा 20 अंकों की आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा होगी। आन्तरिक मूल्यांकन के अंक परीक्षार्थियों की उपस्थिति, सेमीनार, शोध एवं शैक्षणिक कार्य में भागिता, इकाईवार मूल्यांकन परीक्षा आदि के आधार पर प्रदान किये जायेंगे।

आन्तरिक परीक्षा एवं बाह्य परीक्षा में प्रश्नपत्रवार न्यूनतम उत्तीर्णांक 20: होगा। जो अध्यादेश क्रमांक 170 के प्रावधानों के अनुसार बंधनकारी होगा।

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगाँव, जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.)

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग

वर्ष 2023-24

"प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का मूल्यांकन"

23502117002

:: प्राप्तकर्ता ::

श्री बी महोबिया

शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव

अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगाँव

महाविद्यालय डोंगरगाँव जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.)

:: प्रस्तुतकर्ता ::

अक्षय जैन

शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव

अम्बेडकर स्नातकोत्तर

जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.)

आभार

प्रधान मंत्री फसल बीमा योजन का मूल्यांकन इस प्रोजेक्ट को पूर्ण करने में जिन्होने मेरा सहायता किया हैं मैं उसका हृदय अभारी हूँ मैं सर्वप्रथम आभारी हूँ अपने महाविघालय के सहायक प्रध्यापको का जिनके प्रेरणा से यह प्रतिवेदन पूर्ण हुआ अनेक समस्याओ मे मेरी सहायता किये।

मैं हमारे महाविघालय के प्राचर्य श्रीमति बी.एन.मेश्राम एवं फसल बीमा योजना का का मूल्यांकन के अंर्तगत ..... द्वारा जिन्होने अपना अमूल्य समय देकर मेरे समस्याओ का समाधान को पूर्ण करने मे सहयोग एवं योगदान दिया जिसके लिये मं उनका अभारी हूँ।

मैं वणिज्य विभाग के समस्त प्राध्यापको और अपने साथियो का भी व्यकत करता हूँ। जिन्होने इस योजन को पूरा करने में मुझे सहयोग प्रदान किया हैं।

प्रस्तुतकर्ता

अक्षय जैन

एम कामॅ अंतिम

शा बा साहेब भीमराव अंबेडकर महाविघालय

डोगरगांव जिला राजनादगांव (छ.ग.)

प्रधानमंत्री फसल बीमा का मूल्यांकन

अध्याय 1	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना क्या है	
अध्याय 2	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना उद्देश्य	
	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की मुख्य विशेषताएँ	
	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पीएमएफबीवाई के लाभ	
अध्याय 3	पीएमएफबीवाई के तहत कवरेज और प्रीमियम	
	प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना कम किया गया प्रीमियम योगदान	
	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पीएमएफबीवाई में कवरेज	
अध्याय 4	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बहिष्करण	
	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के मुख्य उद्देश्य	
	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में भाग लेने वाली बीमा कंपनियां	
अध्याय 5	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की ताकत	
	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की कमजोरियाँ	
	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत अवसर	
अध्याय	प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़ी चुनौतियाँ	

अध्याय 1

प्रधानमंत्री फसल बीमा के प्रारंभ

माननीय प्रधानमंत्री त्री नरेन्द्र मोदी नें 13 जनवरी 2016 को एक नई योजन प्रधानमंत्री फसल बीमा योजन पीएमएफबीवाई का अनावरण किया। यह योजन उन ,किसानो पर प्रीमियम का बोझ कम करने में मदद करेगी जो अपनी खेती लिए के ऋण लेते है और खराब मौसम से उनकी रक्षा भी करेगी।

बीमा दावे के निपटान की प्रकिया को तेज और आसान बनाने का निर्णय लिया गया ताकि किसान फसल बीमा योजन के संबध मे किसी परेशानी का सामना न करें। यह योजन भारत के हर घर राज्य में संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर लागू की जायेगी। इस योजन का प्रशासन कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वार किया जाएगा।

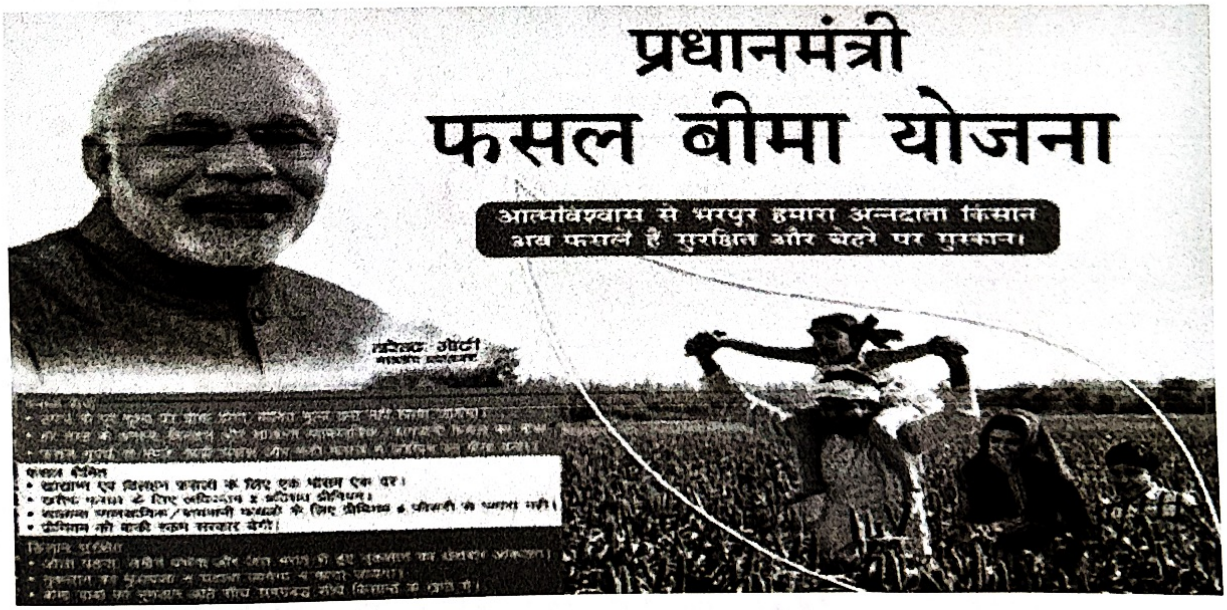

प्रश्नावाली

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना मूल्याकन द्वारा ग्रामीण किसानो से कुछ जानकारिया प्राप्त की और शासन द्वारा स्थापित कृषि विभाग द्वारा भी कुछ जानकारिया प्राप्त हुई।

हितग्राही का नाम:- लक्ष्मीलाल पटेल

हितग्राही का पता:- छुरिया,जिला राजनांदगाव

प्रश्न-1:- प्रधानमंत्री फसलबीमा योजना तहत कितना एकड फसल का बीमा कराया गया है। और किस किस वर्ष में कराया गया है?

उत्तर:-हितग्राही लक्ष्मीलाल यादव द्वार यह बताया गया कि इनके द्वार 7 एकड फसल बीमा कराया गया था इनके अनुसार 2018-22 तक हर वर्ष कराया गया था।

प्रश्न-2:-आपके द्वार सबसे ज्यादा हर वर्ष कौन सी फसल बोया जाता है?

उत्तर:-इनके द्वार यह बताया गया कि सभी वर्ष सबसे अधिक खरीफ फसल को बोया जाता है।

प्रश्न-3:- इस योजना के तहत कितना प्रिमियम राशि का भुगतान किया गया?

प्रमुख निष्कर्ष:

- किसानों को लाभ: अप्रैल 2016 से 14 दिसंबर, 2020 के बीच लगभग 5 मिलियन किसान इस योजना से लाभान्वित हुए हैं।
- निजी कंपनियों को लाभ: पिछले चार वर्षों में निजी उद्यमों में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है साथ ही कई व्यवसायों को लगभग 60 प्रतिशत से 70 प्रतिशत तक इस योजना से लाभ मिला है।
- बीमा कंपनियों पर जुर्माना: योजना के अनुसार यदि किसानों को निर्धारित समय के भीतर उनका दावा नहीं मिलता है, तो बीमा कंपनियों को 12 प्रतिशत ब्याज का जुर्माना देना होगा, जिसके कारण बीमा कंपनियों के ढांचे में सुधार हुआ है।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) ने कार्यान्वयन के अपने 7वें वर्ष में प्रवेश किया।

HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA,

DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
of
M.A. (Sociology) Semester Exam

UNDER

FACULTY OF ART'S

Session 2023-24

(Approved by Board of Studies)
Effective from June 2023

12/05/2023 12/5/2023

M.A. EXAMINATION IN SOCIOLOGY

M.A. Examination in Sociology shall be conducted in four semesters, each having 500 hundred marks, totalling to 2000 marks.

The detailed Course Structure Semester wise is mentioned below.

Sl.	Paper No.	Title	Marks			Credit
A. FIRST SEMESTER:						
Sr.	**Paper**	**Subject**	**I**	**T**	**Total**	
1	Paper-I/CC1	Classical Sociological Tradition	20	80	100	04
2	Paper-II/CC2	Philosophical and Conceptual Foundation of Research Methodology	20	80	100	04
3	Paper-III/CC3	Social Change in India	20	80	100	04
4	Paper-IV/CC4	Rural Sociology	20	80	100	04
5	Paper-V/P 1	Practical-I			100	04
B. SECOND SEMESTER						
6.	Paper-VI/CC5	Classical Sociological Thinkers	20	80	100	04
7.	Paper-VII/CC6	Quantitative Research Techniques in Sociology	20	80	100	04
8.	Paper-VIII/CC7	Sociology of Development	20	80	100	04
9.	Paper-IX/CC8	Indian Rural Society	20	80	100	04
10.	Paper-X/P2	Practical-II			100	04
C. THIRD SEMESTER						
11.	Paper-XI/CC9	Classical Sociological Theories	20	80	100	04
12.	Paper-XII/CC10	Social Movements in India	20	80	100	04
13.	Paper-XIII/CC11	Perspectives of Study to Indian Society	20	80	100	04
14.	Paper-XIV/CC12	Industry and Society in India	20	80	100	04
15	Paper-XV/CC13	Criminology	20	80	100	04
D. FOURTH SEMESTER						
16	Paper-XVI/CC14	Modern Sociological Theories	20	80	100	04
17	Paper-XVII/CC15	Comparative Sociology	20	80	100	04
18	Paper-XVIII/CC16	Contemporary Issues in Industry	20	80	100	04
19	Paper-XIX/CC17	Criminology: Correctional administration	20	80	100	04
20	Paper-XX/P3	Project Report	-	-	100	04

12/8/2023

Paper No.-XX/P3 **Marks-100**

PROJECT REPORT

On Rural and Urban Problems

Scheme of Evaluation- 50% by Internal Examiner and rest 50% by Viva-Voce Examination evaluated both by the Internal and External Examiner.

12-05-23 12/5/2023

प्रायोगिक कार्य

शास0 डॉ0 बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव

सत्र २०२३ - २४

एम0 ए0 समाजशास्त्र चतुर्थ सेमेस्टर के पंचम प्रश्न पत्र की अंशपूर्ति हेतु प्रस्तुत

साक्षात्कार अनुसूची

ग्रामीण समाजों के परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

–: निर्देशक :–

श्री गणेश कुमार नेताम

सहायक प्राध्यापक (समाजशास्त्र)

शास0 डॉ0 बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव

–: शोधकर्ता :–

यशवंत कुमार नायक

एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर समाजशास्त्र

शास0 डॉ0 बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव

ॐ विषय सूची ॐ

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
01	घोषणा पत्र	01
02	प्रमाण पत्र	02
03	आभार पत्र	03
04	अध्ययनरत संस्था का परिचय	04
05	प्रस्तावना	05
06	अध्ययन एवं शीर्षक	06
07	विषय का परिचय एवं अवधारणाओं का स्पष्टीकरण	07 – 16
08	अध्ययन की आवश्यकता	17
09	अध्ययन के उद्देश्य	18
10	शोध परिकल्पना	19
11	शोधकार्य की समस्याएँ	20
12	अध्ययन का क्षेत्र	21 – 26
13	शोध अभिकल्प एवं पद्धतिशास्त्र	27 – 28
14	शोध पद्धति	29
15	तथ्य संकलन के माध्यम	30 – 31
16	उपकरण एवं सामग्री	32 – 33
17	साक्षात्कार अनुसूची के प्रश्न	34 – 36
18	उत्तरदाताओं की सूची	37 – 38
19	आँकड़ों का संकलन एवं विश्लेषण तथा ग्राफ	39 – 77
20	निष्कर्ष	78 – 82
21	सन्दर्भ सूची	83
22	साक्षात्कार करते हुए उत्तरदाता के साथ फोटो	84

प्रस्तावना

शिक्षा समाज का आईना है और साथ ही साथ सामाजिक आर्थिक विकास की मूल अवधारणा है, जो व्यक्ति को अज्ञानता से आत्मज्ञान में परिवर्तित कर देती है, सामाजिक पिछड़ेपन के आधारों से लेकर सामाजिक अम्लीकरण, प्रकार और अविकसित से सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में कार्य करती है। 1964 में "यूनेस्को" के आम सम्मेलन ने भी माना है कि अशिक्षा सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा है। शिक्षा ही एक ऐसा साधन है, जो ग्रामीण भारत को स्वर्णिम युग में बदल सकती है। समाज में शिक्षा को एक धरोवर के रूप में भी देखा जाता है, और यह मनुष्यों की रूढ़िवादी सोच और समाजीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

शिक्षा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक बदलाव एवं परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण कारक है तथा समतामूलक समाज के निर्माण एवं विकास में भी इसकी सर्वोच्च भूमिका है। 21वीं शताब्दी में आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए सुशिक्षित जनता का सुसंगत ज्ञान, विचार और कौशल से विकसित होना अति आवश्यक है तथा भारत देश के लिए तो यह बात विशेष रूप से सही है। भारत में 10 से 24 वर्ग के लोगों की आबादी सबसे अधिक है। यही वे लोग हैं जो देश के अच्छे भविष्य की बुनियाद रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इतना ही नहीं भारतीय समाज की 70 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। इसलिए शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन का केन्द्र बिन्दु ग्रामीण समाज को माना गया है।

शिक्षा समाज की आवश्यकताओं को पूरा करती है, तथा ऐसे विचारों का प्रसार करती है जिनके द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक प्रकार के परिवर्तन होते रहे हैं। अन्य शब्दों में कहा जा सकता है कि शिक्षा एक सामाजिक प्रक्रिया है। इसलिए प्रत्येक समाज अपनी–अपनी आवश्यकताओं तथा आकाँक्षाओं के अनुसार शिक्षा की व्यवस्था करता है। भारत की अधिकतर जनसंख्या आज भी गाँवों में रहती है इसलिए ग्रामीण भारत में शिक्षा का विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है। गाँवों में रहने वाले अधिकतर लोग शिक्षा की महत्ता को समझ चुके हैं और यह भी जानते हैं कि गरीबी से ऊपर उठने का यही एक रास्ता है, लेकिन पैसों की कमी के कारण लोग अपने बच्चों को निजी स्कूलों में प्रवेश नहीं दिला पाते हैं और शिक्षा के लिए सरकारी स्कूलों पर निर्भर रहते हैं। ग्रामीण समाजों में शिक्षक की स्थिति इस क्रांतिकारी दौर में भी संतोषजनक नहीं है। यह हमारे समाज का दुर्भाग्य है कि जहाँ सारे दुनिया शिक्षा के क्षेत्र में आकाश की बुलंदियों को छू रही है, वहीं हमारे देश भारत में ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति अभी भी चिंताजनक है। यदि ग्रामीण क्षेत्रों के लोग शिक्षित होंगे तो कृषि की नई तकनीक का प्रयोग कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना पाएंगे न केवल कृषि के क्षेत्र में बल्कि हर क्षेत्र में अपने देश को प्रगति की ओर ले जाएंगे।

शिक्षा ही हमें हमारे उत्तरदायित्व का निर्वाह कराती है। जब सभी मानव सौहार्द तथा व्यवस्थित ढंग से कार्य करते है तब समाज प्रगति करता है। शिक्षा का समाज की अन्य उपव्यवस्थाओं से अर्न्तसंबंध पर विचार–विमर्श तथा सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका, भारतीय समाज में शिक्षक की भूमिका के बिना पूर्ण नहीं किया जा सकता है। शिक्षक का समाज में विशिष्ट स्थान है। समाज की संरचना, शिक्षा का समाज के अन्य उपव्यवस्थाओं से अर्न्तसम्बन्ध, सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में शिक्षा का अध्ययन किया गया है।

शिक्षा के द्वारा समाज वांछनीय बदलाव ला सकता है और खुद को आधुनिक कर सकता है। शिक्षा अवसरों और अनुभवों को उपलब्ध कराने के द्वारा समाज को बदल सकता है। जिसके माध्यम से व्यक्ति उभरती जरूरतों और बदलते समाज के दर्शन के साथ खुए को समायोजित करने के लिए खेती कर सकता है। सामाजिक प्रगति के लिए जीवन के हर पहलू में सावधानीपूर्वक योजना की आवश्यकता है। सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक शिक्षा को ऐसे तरीके से नियोजित करना होगा, जो लोगों की जरूरतों और आकाँक्षाओं को पूरा करने में पूर्ण हो।

-:*साक्षात्कार अनुसूची*:-

"ग्रामीण समाजों के परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"

(क) उत्तरदाताओं की व्यक्तिगत जानकारी :–

1. नाम – .....
2. पिता का नाम – .....
3. माता का नाम – .....
4. आयु – .....
5. लिंग – पुरूष ☐ महिला ☐
6. धर्म – .....
7. जाति – अ. सामान्य (GEN) ☐ ब. अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) ☐
   स. अनुसूचित जाति (SC) ☐ द. अनुसूचित जनजाति (ST) ☐
8. वैवाहिक स्थिति – अ. विवाहित ☐ ब. अविवाहित ☐
9. परिवार का स्वरूप – अ. एकाकी परिवार ☐ ब. संयुक्त परिवार ☐
10. परिवार में सदस्यों की संख्या – .....
11. शैक्षिक स्थिति – .....
12. परिवार का व्यवसाय – .....
13. परिवार की मासिक आय – .....

(ख) ग्रामीण समाजों में शिक्षा द्वारा उत्तरदाताओं के परिदृश्य में परिवर्तन :–

1. शिक्षा द्वारा ग्रामीण उत्तरदाताओं के दृष्टिकोण में परिवर्तन हुआ है –
   अ. पूर्ण सहमत ☐ ब. सहमत ☐ स. असहमत ☐
2. शिक्षा द्वारा ग्रामीण उत्तरदाताओं की जीवनशैली में परिवर्तन हुआ है –
   अ. पूर्ण सहमत ☐ ब. सहमत ☐ स. असहमत ☐
3. शिक्षा द्वारा ग्रामीण उत्तरदाताओं की व्यवहार एवं आदतों में परिवर्तन हुआ है –
   अ. पूर्ण सहमत ☐ ब. सहमत ☐ स. असहमत ☐
4. शिक्षा द्वारा ग्रामीण उत्तरदाताओं में निम्न एवं उच्चता की भावना कम हुई है –
   अ. पूर्ण सहमत ☐ ब. सहमत ☐ स. असहमत ☐
5. शिक्षा द्वारा ग्रामीण उत्तरदाताओं में प्रथाओं एवं जनरीतियों बदलाव आया है –
   अ. पूर्ण सहमत ☐ ब. सहमत ☐ स. असहमत ☐
6. शिक्षा द्वारा ग्रामीण उत्तरदाताओं की सांस्कृतिक मूल्यों में परिवर्तन हुआ है –
   ☐ ☐ ☐

-: उत्तरदाताओं की सूची :-

क्रमांक	नाम	पिता का नाम	आयु	गांव
01	नूतन कुमार साहू	श्री कोमल लाल साहू	28	बड़भूम
02	मनीष कुमार	स्व. श्री किशोर	25	बड़भूम
03	नारद साहू	श्री दामोदर साहू	23	बड़भूम
04	इन्द्र कुमार धनकर	श्री लक्ष्मण धनकर	22	बड़भूम
05	हरीश साहू	श्री छबिलाल साहू	22	बड़भूम
06	युवराज कुमार	श्री धनेश ठाकुर	22	बड़भूम
07	कु. पुनिता यादव	श्री विजय यादव	22	बड़भूम
08	कु. दिव्या आलेन्द्र	श्री प्रकाश आलेन्द्र	22	बड़भूम
09	ललित कुमार	श्री चिंताराम टंडन	35	बड़भूम
10	योगेश यादव	श्री नरेश यादव	27	करेठी
11	गिरीश धनकर	श्री रघुनाथ धनकर	27	करेठी
12	कु. डामिन राणा	श्री कौशल राणा	23	करेठी
13	श्री कुंजलाल नायक	स्व. श्री घसियाराम	54	करेठी
14	डोमन नायक	श्री मोरध्वज नायक	29	करेठी
15	बलराम नायक	श्री मोरध्वज नायक	27	करेठी
16	श्रीमती रीना नायक	श्री गंगाराम नायक	25	करेठी
17	निखिल साहू	श्री अशोक साहू	27	करेठी
18	कु. भानुप्रिया नायक	श्री कुंजलाल नायक	26	करेठी
19	लालकृष्ण नायक	श्री सुदर्शन नायक	20	करेठी
20	गणेश्वर साहू	श्री तोखूराम साहू	21	करेठी

आँकड़ों का विश्लेषण

सारणी क्रमांक 01

उत्तरदाताओं की आयु के आधार पर विवरण :–

क्रमांक	आयु समूह	उत्तरदाता	प्रतिशत
01	18 से 22 वर्ष	14	35%
02	23 से 30 वर्ष	23	57.5%
03	31 से 36 वर्ष	02	05%
04	37 से 45 वर्ष	00	00%
05	45 वर्ष से अधिक	01	2.5%
	योग	40	100%

उपरोक्त सारणी में सर्वेक्षण के दौरान शोधार्थी द्वारा 40 उत्तरदाताओं को अपने शोधकार्य में सम्मिलित किया गया है, जिसमें 18 से 22 आयु वर्ग के बीच 14 उत्तरदाता पाए गए जिनका प्रतिशत 35 है, 23 से 30 आयु वर्ग के बीच 23 उत्तरदाता पाए गए जिनका प्रतिशत 57.5 है, 31 से 36 आयु वर्ग के बीच 02 उत्तरदाता पाए गए जिनका प्रतिशत 05 है, 37 से 45 आयु वर्ग के बीच शून्य उत्तरदाता पाए गए तथा 45 वर्ष से अधिक के 01 उत्तरदाता जिनका प्रतिशत 2.5 है।

उपरोक्त सारणी के विश्लेषण यह पाया गया कि 23 से 30 आयु वर्ग के उत्तरदाताओं का प्रतिशत सबसे अधिक है जिसका प्रतिमान 57.5 है।

ग्राफ क्रमांक 01

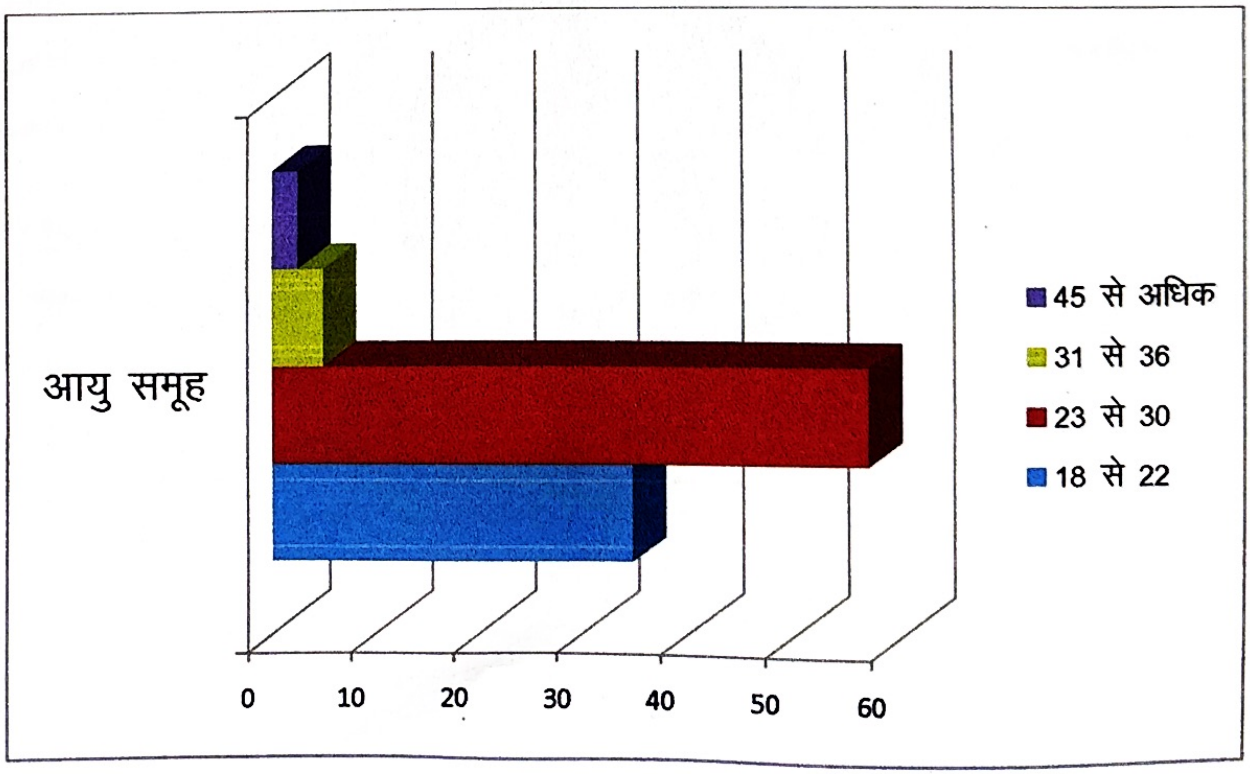

सारणी क्रमांक 36

शिक्षा द्वारा ग्रामीण उत्तरदाताओं के तीन पीढ़ियों में परिवार के स्वरूपों पर प्रभाव :–

क्रमांक	पीढ़ियाँ	परिवार का स्वरूप		कुल
		संयुक्त परिवार	एकल परिवार	
01	प्रथम पीढ़ी (दादा–दादी)	37(92.5%)	03(7.5%)	40(100%)
02	द्वितीय पीढ़ी (माता–पिता)	22(55%)	18(45%)	40(100%)
03	तृतीय पीढ़ी (वर्तमान समय)	18(45%)	22(55%)	40(100%)

कोष्ठक का अर्थ प्रतिशत से है।

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि तीन पीढ़ीयों में पारिवारिक स्थिति के परिवर्तन में प्रथम पीढ़ी (दादा–दादी) के सर्वेक्षण के दौरान संयुक्त परिवार के उत्तरदाताओं की संख्या 37 जिसका प्रतिशत 92.5 तथा एकाकी परिवार के उत्तरदाताओं की संख्या 03 जिसका प्रतिशत 7.5 है। ठीक इसी प्रकार द्वितीय पीढ़ी (माता–पिता) के सर्वेक्षण के दौरान संयुक्त परिवार के उत्तदाताओं की संख्या 22 जिसका प्रतिशत 55 तथा एकाकी परिवार के उत्तरदाताओं की संख्या 18 जिसका प्रतिशत 45 है। ठीक इसी प्रकार तृतीय पीढ़ी (वर्तमान समय) के सर्वेक्षण के दौरान संयुक्त परिवार के उत्तदाताओं की संख्या 18 जिसका प्रतिशत 45 तथा एकाकी परिवार के उत्तरदाताओं की संख्या 22 जिसका प्रतिशत 55 है।

ग्राफ क्रमांक 36

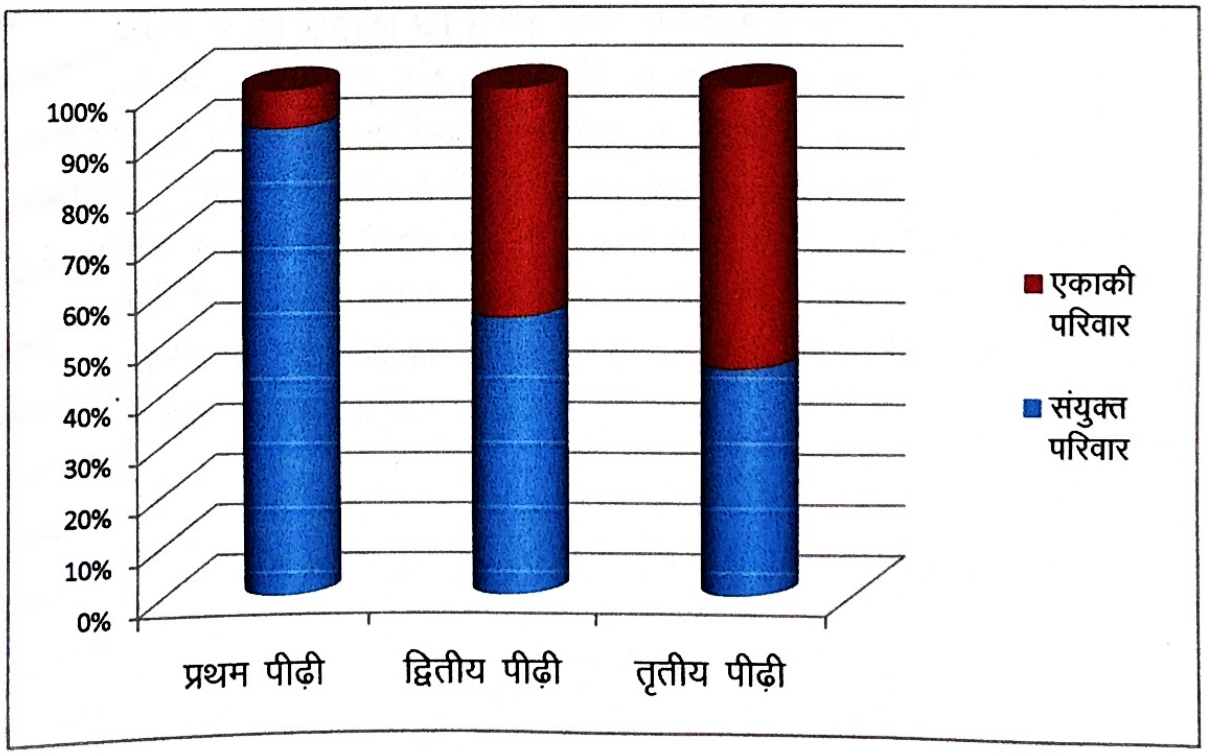

निष्कर्ष

शिक्षा मानव को आत्मचेतना, विकास एवं प्रस्थितियों से समायोजन स्थापित करने की एक विकसित विधि है। इसकी उपयोगिता प्रत्येक समाज और व्यक्ति के जीवन को निर्देशित एवं नियमित करने की सार्थकता में है। यही कारण है कि समाज के विकास का सम्पूर्ण दायित्व शिक्षा के उन्नयन और विकास पर आधारित है। भारतीय समाज का इतिहास अनेक जातियों, उपजातियों, अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा आदिवासी समाजों का इतिहास रहा है। समय के परिवर्तन के साथ–साथ ग्रामीण समाजों की पृष्ठभूमि में भी परिवर्तन आने लगा है। ग्रामीण समाज के संस्तरणात्मक तथा संरचनात्मक पक्ष की मौलिकता में भी परिवर्तन आया है।

सकारात्मक परिवर्तन एक ऐसा परिवर्तन है जो मानव, प्रकृति और पर्यावरण के वर्तमान एवं भविष्य के लिए सार्थक के साथ–साथ तीनों में सामंजस्य स्थापित करने में समर्थ हो। परिवर्तन तो आवश्यभावी है सिर्फ परिवर्तन को जानना ही पर्याप्त नहीं है, परिवर्तन के साथ–साथ हमारी मानवता, नैतिकता और भौतिकता समग्र के रूप में अग्रेसित होनी चाहिए। प्रस्तुत अध्ययन के अन्तर्गत ग्रामीण समाजों में शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन को विश्लेषित करते हुए उत्तरदाताओं से यह जानने का प्रयास किया गया है कि शिक्षा के माध्यम से आपके जीवन पर क्या प्रभाव पड़े। इसके लिए सकारात्मक एवं नकारात्मक अभिव्यक्ति करने वाले प्रश्नों के माध्यम से यह जानने का प्रयास किया गया है कि ग्रामीण समाजों के उत्तरदाताओं को वर्तमान समय में शिक्षा किस प्रकार प्रभावित कर रही है।

ग्रामीण समाज में शिक्षा की भूमिका का प्रश्न है जो सार्वभौमिक रूप से शिक्षा एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की परम्परा, संस्कृति कौशल और ज्ञान को हस्तांरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा प्रकाश का वह श्रोत है जो व्यक्ति को पशुता से ऊपर उठा कर मानव बनाने में, असुन्दरता से सुन्दरता, अकल्याण से कल्याण, असत्य से सत्य तथा असुरी प्रवृत्ति से दैवीय प्रवृत्ति की ओर ले जाने की प्रेरणा तथा क्षमता प्रदान करती है। मानवीय परिवर्तन के विभिन्न स्तरों पर शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है व्यक्तिगत स्तर पर शिक्षा ज्ञान बोध और सूचनाओं के अन्तरीकरण का एक क्रमबद्ध एवं व्यक्तिगत प्रयास करती है। प्रस्तुत अध्याय में उत्तरदाताओं की तीन पीढ़ीयों की स्थिति में शिक्षा के द्वारा शैक्षणिक स्थितियाँ, व्यावसायिक स्थितियाँ, वैवाहित स्थिति और पलायन की स्थिति के परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका को देखा गया क्योंकि शैक्षणिक प्रक्रिया का विश्लेषण शिक्षा की परिवर्तनशील भूमिका को समझाने में सहायक है। शिक्षा के परिणाम स्वरूप ही ग्रामीण उत्तरदाताओं की स्थिति में पीढ़ी दर पीढ़ी बदलाव आये हैं। इस बात की जानकारी वर्तमान पीढ़ी में काफी अधिक है।

प्रस्तुत शोध अध्ययन में उत्तरदाताओं के रूप में राजनांदगांव जिला के डोंगरगांव विकासखण्ड अन्तर्गत उत्तरदाताओं का चयन किया गया है प्रतिदर्श के आधार पर इन चयनित उत्तरदाताओं की वैयक्तिक, शैक्षिक, पारिवारिक और सामाजिक, आर्थिक जीवन के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी है।

ग्रामीण समाजों के परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन के दौरान उत्तरदाता से साक्षात्कार करते हुए।।

HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION
&
SYLLABUS
of
M.A.(Economics) Semester Exam

UNDER

FACULTY OF SOCIAL SCIENCE

Session 2023-24

(Approved by Board of Studies)
Effective from June 2023

2.6.23 02/06/23 02/06/23

HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

SYLLABUS FOR UNIVERSITY TEACHING DEPARTMENT AND AFFILIATED COLLEGES IN P.G. CLASSES

M.A. in Economics: Semester Examination 2023-24

At post graduate level, candidates are required to study 15 papers in First, Second and Third semester (5 papers in each semester) and 04 papers in fourth semester examination. This is to be treated as the nineteen papers of the course structure. So there shall be 19 papers in the post graduate examination in Economics. Viva - voce examination be treated as a compulsory paper for M.A. fourth semester examination. Each paper shall carry 100 marks out of which 80 marks will be for theory paper and 20 marks for internal assessment. There shall be 2000 marks in M.A. Candidates shall have secure 36 percent marks in aggregate of all papers in order to pass the M.A. Examination. Examination and result shall be treated according to rules and regulations of ordinance no. 13.

M.A. SEMESTER-I and SEMESTER-II

PAPER	SEMESTER-I	Marks			SEMESTER-II	Marks		
		Theory	Internal Assess	Credit		Theory	Internal Assess	Credit
PAPER-I	Micro Economics-I	80	20	04	Micro Economics-II	80	20	04
PAPER-II	Macro Economics-I	80	20	04	Macro Economics-II	80	20	04
PAPER-III	Statistical and Quantitative Methods	80	20	04	Research Methods & Computer Application	80	20	04
PAPER-	Indian Economy	80	20	04	Indian Economic	80	20	04
PAPER-	Industrial Economics	80	20	04	Labour Economics	80	20	04

M.A. SEMESTER-III and SEMESTER-IV

PAPER	SEMESTER-III	Marks			SEMESTER-IV	Marks		
		Theory	Internal Assessment	Credit		Theory	Internal Assess	Credit
PAPER-I	Economics of Growth	80	20	04	Economics of Development &	80	20	04
PAPER-II	International	80	20	04	International	80	20	04
PAPER-III	Public Finance	80	20	04	Public Economics	80	20	04
PAPER-IV	Environmental Economics	80	20	04	Economics of Social Sector	80	20	04
PAPER-V	Demography	80	20	04	Viva-Voce	100	--	04

2.6.23

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर

स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगाँव, जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.)

सम्बद्धता - हेमचंद यादव विश्वविद्यालय
दुर्ग (वर्ष 2023 – 24)

-: प्रोजेक्ट कार्य :-

धान उत्पादन में कार्यरत श्रमिकों की आर्थिक स्थिति का अध्ययन
ग्राम - मोतीपुर के संदर्भ में

प्राचार्य
डॉ. श्रीमती बी.एन.मेश्राम

-:: निर्देषक ::-
श्री शिवनाथ देवांगन (विभागाध्यक्ष)
श्री रामचन्द्र भार्गव (अतिथि व्याख्याता)
(अर्थशास्त्र विभाग)
शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगाँव, जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.)

-:: प्रस्तुतकर्ता ::-
धीरज कुमार निर्मलकर
एम.ए. अंतिम
(अर्थशास्त्र)
शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव
अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय
डोंगरगाँव, जिला - राजनांदगाँव (छ.ग.)

विषय सूची

क्र.	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	अध्याय - 1. भारत में धान उत्पादन - परिचय , भारत में चावल उत्पादन की भौगोलिक दशाएं , भारत के प्रमुख धान उत्पादक राज्य धान उत्पादन में आने वाली प्रमुख समस्याएं , सरकार द्वारा कृषकों को दी जाने वाली सुविधाएं।	5-18
2.	अध्याय - 2 धान उत्पादन करने वाले कृषकों के क्षेत्र एवं सामाजिक स्थिति का अध्ययन	19-27
3.	अध्याय - 3 धान उत्पादन करने वाले श्रमिकों की आर्थिक सुधार हेतु सरकारी प्रयास	28-31
4.	अध्याय - 4 धान उत्पादन कार्य से लाभ एवं हानियां	32-33
5.	अध्याय - 5 धान उत्पादन करने वाले परिवारों की समस्या , सुझाव एवं निष्कर्ष , शोध कार्य की विधि	34-36

Edit with WPS Office

अध्याय - 1

भारत में धान उत्पादन

प्रस्तावना -

धान, भारत में मुख्य खाद्य फसलों में से एक है और यह देश के अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में धान का उत्पादन विभिन्न क्षेत्रों में किया जाता है, जिसमें प्रमुख रूप से पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश शामिल हैं। धान की खेती भारतीय कृषि के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह देश की आजीविका और अन्नतंत्र को सुनिश्चित करता है।

भारत में धान की खेती का मौसमिक चक्र उत्सर्गित गर्मियों के अनुसार होता है, और इसे पूरे वर्ष के लिए समृद्धिशाली किया जाता है। धान की खेती में सिंचाई, उर्वरक और उत्तम बीज का चयन महत्वपूर्ण होता है। सरकार भी किसानों को धान खेती में समर्थन प्रदान करती है जैसे कि सब्सिडी, बीमा और तकनीकी सहायता।

भारत में चावल उत्पादन के लिए भौगोलिक दशाएं

भारत की प्रमुख खाद्यान्न चावल है। देश की कुल कृषि भूमि के लगभग **30%** भाग में इसकी कृषि की जाती है। सन् **2001-02** में **446-00** लाख हेक्टेयर क्षेत्र में इसकी खेती की गई तथा उत्पादन **931-00** लाख टन रहा। इसी वर्ष प्रति हेक्टेयर औसत उत्पादन **2086** किग्रा था।

Edit with WPS Office

धान उत्पादन मे कार्यरत श्रमिको की आर्थिक स्थिति का अध्ययन

चावल उत्पादन भारतीय प्रायद्वीप के पूर्वी भाग में अधिक लोकप्रिय है। भारत में मौसम के आधार पर चावल की तीन प्रकार की फसलें ली जाती हैं। शीतकालीन चावल (जुलाई से दिसम्बर) को अगहनी या अमन, ग्रीष्मकालीन (दिसम्बर से अप्रैल) चावल को बोरो तथा शरदकालीन (जून से अक्टूबर) चावल को ओस के नाम से जाना जाता है।

भौगोलिक दशाएँ (Geographical Conditions)-

धान उत्पादन के लिए निम्नलिखित भौगोलिक आवश्यक है -

1. जलवायु (Climate) - यह उष्ण कटिबन्धीय फसल है। इसके लिए उष्ण-आर्द्र जलवायु उपयुक्त होती है।

2. तापमान (Temperature) - बोते समय 20° सेल्सियस तथा पकते समय 27° सेल्सियस तापमान आवश्यक है। पकते समय खुला आकाश और

अध्ययन का उद्देश्य

अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित है -

(1) ग्राम मोतीपुर के किसानों के आर्थिक स्थिति के बारे में जानना इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्यों में से एक है।

(2) अध्ययन का दूसरा उद्देश्य धान की खेती में आने वाली विभिन्न समस्याएं तथा उनसे निपटने के लिए किए जाने वाले प्रयासों को जानना है

(3) धान के उत्पादन से किसानों को होने वाले लाभ व हानि के बारे में जानना।

(4) कृषकों के पास उपलब्ध साधनों का उचित दोहन हो रहा है या नहीं उसकी जानकारी लेना।

(5) सरकार द्वारा किसानों को दी जाने वाली योजनाओं से लाभान्वित किसानों के बारे में जानकारी एकत्र करना तथा सरकारी योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी देना।

तालिका क्रमांक - 3

ग्राम मोतीपुर में धान उत्पादन कार्य में लगे कृषकों की जातिगत वर्णन

क्र.	जाति	परिवार की संख्या	कुल संख्या का प्रतिशत
1.	अनुसूचित जाति	0	0
2.	अनुसूची जनजाति	5	15.62
3.	अन्य पिछड़ा वर्ग	27	84.37
4.	सामान्य वर्ग	0	0
कुल		32	100 %

(ब) निराकरण एवं सुझाव-

धान उत्पादन में संलग्न लोगों का निम्न सुझाव है -

1. धान उत्पादन अच्छी हो इसके लिए उन्हें सिंचाई का साधन उपलब्ध कराना चाहिए ।

2. धान उत्पादन करने वाले के पाप्त बंजर भूमि अधिक है जिसे भूमि सुधार द्वारा उत्पादन योग्य बनाना ।

3. धान उत्पादन हेतु उन्हें विशेष प्रशिक्षण की सुविधा देना चाहिए जिससे वे कीटों से उसकी रक्षा कर सके ।

4. धान उत्पादन के द्वारा लोगों को अधिक संख्या में रोजगार उपलब्ध कराना चाहिए जिससे प्रवास बग्य हो । धान उत्पादन में बीमा की सुविधा उपलब्ध करवाई जाये जिसमें समस्या आने पर लाभ प्राप्त हो सके ।

(स) धान उत्पादन का निष्कर्ष-

धान उत्पादन में संलग्न परिवारों का अध्ययन से विष्कषु निकलता है कि धान उत्पादन से जार्थिक जीवन संतोषप्रद है। धान उत्पादन के कार्य कुछ महिनों तक पूर परिवार को रोजगार मिलता है जिससे उनके परिवार के लिए वर्ष भर के लिए भोजन का व्यवस्था हो जाता है तथा समस्या आने पर इसे बेच कर मुद्रा अर्जित किया जा सकता है जिससे अनिवार्य आवश्यकता की पूर्ति किया जाता है।

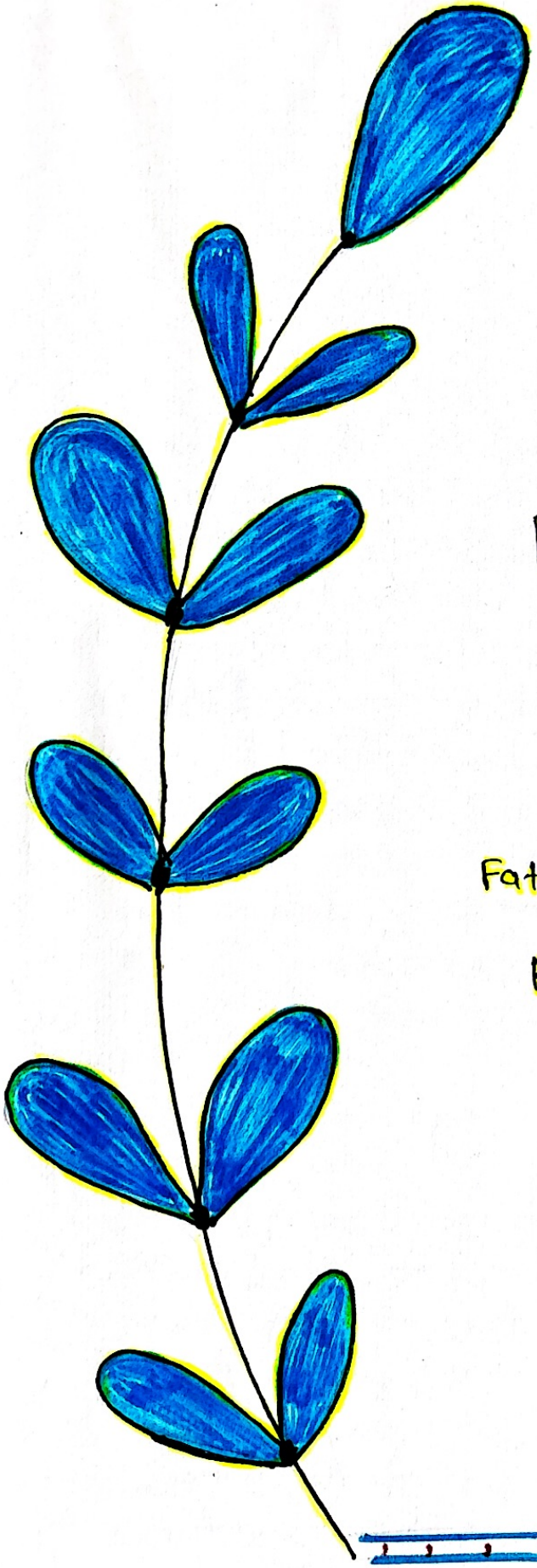

Envinoment Project

Bsc. 1st Year

Name- Ashish kumar

Father's Name- Ompnakash

Roll No. - 45022328

Topic Page No. 01. Date

प्रोजेक्ट – 01.

प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण

आज के समय में बहुतायत में प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है। घर में उपयोग की जाने वाली कई सारी चीजें प्लास्टिक की बनी होती है और हम इन चीजो का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करते है।

जब भी हम बाजार जाते है, तो हम प्लास्टिक में ही सब्जियाँ या सामान खरीद कर ले आते है और प्लास्टिक को सहजता से रख देते है, ताकि उसका फिर से इस्तेमाल कर सके। लेकिन हमारे लिए यह जानना आवश्यक है कि प्लास्टिक हमारी स्वास्थ्य के लिए बहुत ही नुकसान दायक है। हमें प्लास्टिक का कम से कम इस्तेमाल करना होगा, ताकि हमारा स्वास्थ्य सही रह सके।

प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण की शुरुआत –

आज के समय में पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए कई कोशिश की जा रही है। लेकिन इसकी सबसे पहली शुरुआत 2 अक्टूबर 2019 को केंद्र सरकार द्वारा की गई थी। इसकी शुरुआत सबसे पहले ऐसी जगह से की गई जहा पर प्लास्टिक का ज्यादा उपयोग किया जाने लगा था।

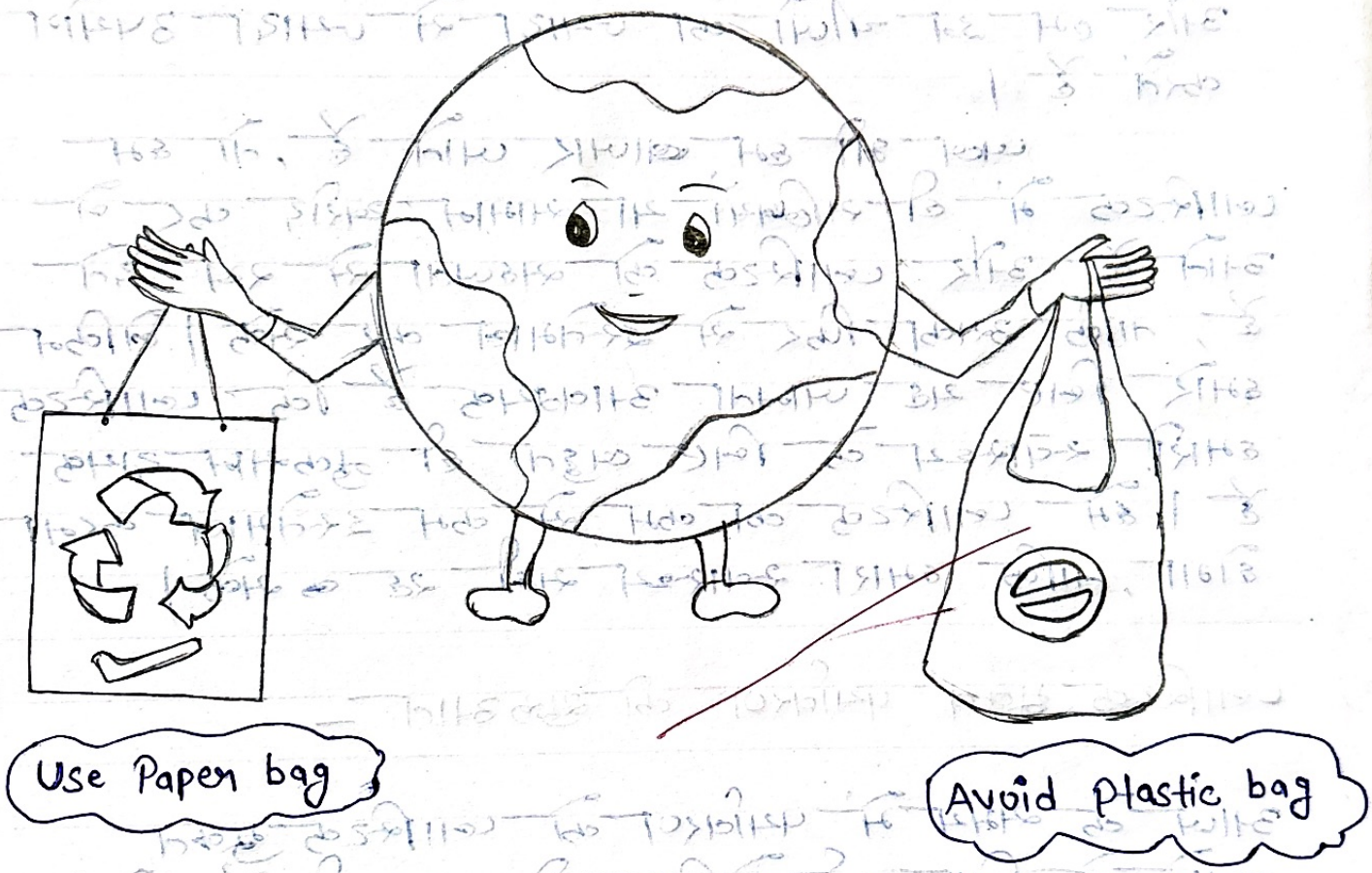

Fig - Don't Use Plastic Bag's

Topic Page No. 01 Date

प्रोजेक्ट – 02

खाद्य श्रृंखला (Food Chain) :-

किसी परितंत्र में उत्पादक से उच्च उपभोक्ता तक खाद्य पदार्थों या खाद्य ऊर्जा के स्थानांतरण के क्रमबद्ध प्रवाह पथ को खाद्य श्रृंखला कहते है।

" परितंत्र की खाद्य श्रृंखला जितनी ही बड़ी होती है। उस परितन्त्र में ऊर्जा प्रवाह के समय ऊर्जा का ह्रास उतना ही अधिक होता है। "

घास परितन्त्र में खाद्य श्रृंखला :-

घास परितंत्र में घास उत्पादक के रूप में कार्य करती है। जिन्हे टिड्डे प्राथमिक उपभोक्ता के रूप में खाते है। इन टिड्डो को मेंढक खाता है। तथा मेंढक द्वितीयक उपभोक्ता होता है। मेंढक को साँप खाते है। जो तृतीयक उपभोक्ता कहलाते है। और साँप को मोर खाते है। जो चतुर्थ उपभोक्ता कहलाते है। इस प्रकार ये एक सीधी खाद्य श्रृंखला का निर्माण करते है।

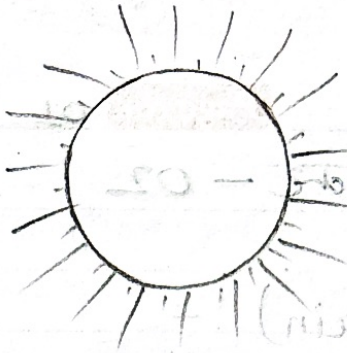

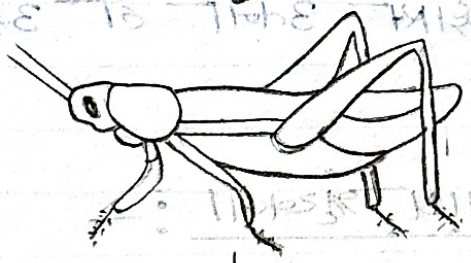

सूर्य
हरे पौधे
(T1)
उत्पादक
टिड्डा
(T2)
प्राथमिक उपभोक्ता
मेंढक
(T3)
द्वितीयक उपभोक्ता
साँप
(T4)
(तृतीयक उपभोक्ता
मोर
(चतुर्थ उपभोक्ता

Fig - खाद्य श्रृंखला

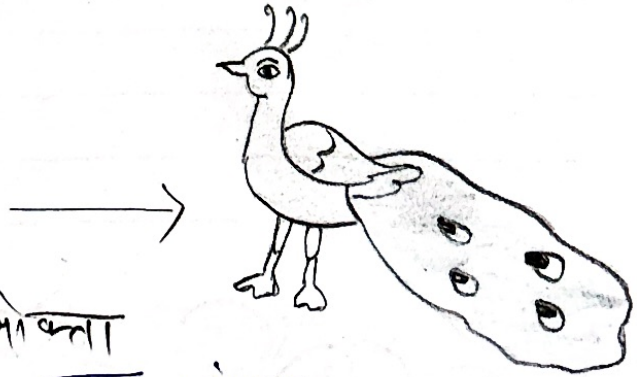

Topic Page No. 06 Date

ग्रीन हाउस प्रभाव में वृद्धि :-

पिछले कुछ वर्षों से विश्व के तापमान में लगातार वृद्धि देखी जा रही है इसका मुख्य कारण ग्रीनहाउस गैसों की वृद्धि है। इन ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि और पृथ्वी के तापमान में वृद्धि के मुख्य कारण मानव द्वारा निर्मित किए हुये है। मनुष्य के ने अपनी सुख सुविधाओं के लिए पेड़ो और वनों को नष्ट करते जा रहा है। जीवाश्म इंधनों का अंधाधुन रूप से प्रयोग हो रहा है, इसके परिणामस्वरूप पृथ्वी का तापमान अब पहले से 1 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है और कहा जा रहा है सन् 2030 तक यह तापमान 5 डिग्री सेल्सियस और बढ़ जायेगा इसके कई दुष्परिणाम भी हमें देखने मिल रहे है, जैसे रेगिस्तान में बाढ़ का आना अतिवर्षा वाले क्षेत्रों में वर्षा की कमी होना तथा ग्लेशियर पर मौजूद बर्फ भी पिघलने लगी है।

ग्रीनहाउस प्रभाग के लाभ :-

- ग्रीनहाउस प्रभाव के कारण ही हमारी पृथ्वी का ताप सही सीमा पर रहता है।
- इसी प्रभाव के कारण हमारे पृथ्वी पर ऋतुओं का बदलाव होता है।
- इसी प्रभाव से ही सूर्य से आने वाली प्रकाश का भाग अर्थात् जो भाग मनुष्य के स्वरुप के लिए हानिकारक है उसे अवशोषित कर लिया जाता है। तथा सुरक्षित प्रकाश को ही हमारी पृथ्वी पर पहुँचाया जाता है।

Topic Page No. 07 Date

ग्रीनहाउस प्रभाव के दुष्परिणाम

- ग्रीनहाउस गैस की वृद्धि लगातार बढ़ती जा रही है जिसके कारण पृथ्वी के तापमान मे भी वृद्धि हो रही है जो मनुष्य के लिए कई रूपों से हानिकारक है।
- इसके कारण आज ग्लेशियर की बर्फ भी पिघलने लगी है।

निष्कर्ष :-

ग्रीनहाउस का प्रभाव ऊष्मा के अवशोषण में बहुत महत्वपूर्ण है और यह पृथ्वी के तापमान को गर्म और जीवन के अनुकूल बनाता है। ग्रीनहाउस प्रभाव की सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह तेजी से बढ़ती जा रही है और ज्यादा मात्रा में उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसों के कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या उत्पन्न होती जा रही है।

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव जिला–राजनांदगांव (छ0ग0)
NAAC Accredited with B Grade

email-college.bsba@gmail.com, web site- www.bsba.com, Contact No.: 07745-271882

कैरियर गाइडेंस कार्यकम

महाविद्यालय में दिनांक 20.09.2023 को प्राचार्य डॉ. (श्रीमती)बी.एन.मेश्राम तथा समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष के निर्देशन में कौशल विकास यात्रा 2023 के तहत समर्थ भरत तथा सक्षम भारत निर्माण के तहत कैरियर गाईडेंस कार्यकम आयोजित किया गया। यह कार्यकम AISECT, NSDC Skill India के तहत किया गया। इस कार्यकम में गिरीश सोनी, सोनी कम्प्यूटर डोंगरगांव, मनीष वैष्णव विवेकानंद एकेडमी उपस्थित थे।

श्री गणेश नेताम
सहा.प्राध्यापक समाजशास्त्र
शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव

डॉ.(श्रीमती)बी.एन.मेश्राम
प्राचार्य
शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर
महाविद्यालय डोंगरगांव जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)''
NAAC Accredited with B Grade
email-college.bsba@gmail.com , web site- www.bsba.com , Contact No.: 07745-271882

Home Science Exhibition

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव में प्राचार्य डॉ. श्रीमती बी.एन. मेश्राम के निर्देशानुसार गृह विज्ञान विभाग में गृह विज्ञान के समस्त छात्र/छात्राओं द्वारा गृह विज्ञान का प्रदर्शनी आयोजित किया गया, जिसमें छात्र/छात्राओं द्वारा पुष्प सज्जा, टेक्साटाइल, शरीर, किया विज्ञान, क्लीनिकल न्यूटीशन व वांजन से संबंधित प्रदर्शनी किया गया। इस प्रदर्शनी में डॉ. ए.के. धमगाये, डॉ. सी.के. साहू, सुश्री रेणुका ठाकुर, श्रीमती प्रियांकी गजभिये उपस्थित थे।

Gatima Markam
Home Science Department

डॉ.(श्रीमती)बी.एन.मेश्राम
प्राचार्य
शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव जिला–राजनांदगांव (छ0ग0)
NAAC Accredited with B Grade
email-college.bsba@gmail.com, web site- www.bsba.com, Contact No.: 07745-271882

दिनांक 04/05/2024

चलित मॉडल प्रदर्शनी

दिनांक 04/05/2024 को प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) बी.एन. मेश्राम के निर्देशानुसार भौतिक विभाग के तत्वाधान में मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यकम में मुख्य अतिथि के महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) बी.एन. मेश्राम एवं अन्य सहायक प्राध्यापक डॉ.ए.के. धमगाये, डॉ. सी.के. साहू, श्री जी.के. नेताम, अतिथि व्याख्याता जनभागीदारी एवं स्ववित्तीय शिक्षक उपस्थित रहें।

इस प्रदर्शनी में एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं ने समूह में अपने विषय से संबंधित Working Model प्रस्तुत किये। जिनमें सभी छात्र/छात्राओं का प्रदर्शनी सराहनीय रहा। इस प्रदर्शनी ने मुख्य रूप से विभागाध्यक्ष श्रीमती उषा साहू तथा सहयोगी नारायण दास साहू का विशेष सहयोग रहा।

Department of Physics

PRINCIPAL
Govt.Dr.B.S.B.A. P.G. College
Dongargaon, Distt-Rajnandgaon (C.G.)

शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव जिला–राजनांदगांव (छ0ग0)
NAAC Accredited with B Grade

email-college.bsba@gmail.com, web site- www.bsba.com, Contact No.: 07745-271882

विकसित भारत @2047 कार्यक्रम

दिनांक 22.12.2023 को प्राचार्य डॉ.(श्रीमती) बी.एन. मेश्राम के मार्गदर्शन में विकसित भारत @2047 के नोडल अधिकारी एवं समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष श्री गणेश नेताम के सहयोग से Ideas 4 Viksitbharat इस कार्यक्रम के तहत परिचर्चा तथा रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विकसित भारत 2047 के संबंध अपने अपने विचार साझा किये। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. ए.के. धमगाये, सुश्री चंचल स्टेला कुजूर उपस्थित रहे।

श्री गणेश नेताम
सहा. प्राध्यापक समाजशास्त्र
शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव

डॉ.(श्रीमती)बी.एन.मेश्राम
प्राचार्य
शास. डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव जिला–राजनांदगांव (छ0ग0)
NAAC Accredited with B Grade
email-college.bsba@gmail.com, web site- www.bsba.com, Contact No.: 07745-271882

दिनांक .....

Workshop

शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव में 7 दिवसीय Workshop का आयोजन प्राचार्य डॉ. के.एल. टाण्डेकर के संरक्षण तथा भौतिकशास्त्र विभाग के तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसमें हमारे महाविद्यालय के भौतिकशास्त्र विभाग के दिनांक 11/10/2023 को विद्यार्थियों को Workshop में सम्मलित होने हेतु प्राचार्य, डॉ. श्रीमती बी.एन. मेश्राम द्वारा प्रेरित किया गया। One Week National Workshop जिसका थीम "Role of Applied Physics in skill Enhancements (NW-RAPSE-23)" था जिसमें सम्मिलित हुऐ।

इस Workshop के प्रमुख वक्ता डॉ. मोहन पटेल State Forensic Science Laboratory, Raipur थे। उन्होंने बहुत की सरलता पूर्ण जानकारी दिये कि हमारे दैनिक जीवन में कैसे भौतिक के नियमों का उपयोग होता है। साथ ही उन्होने अपने Forensic लैब में होने वाले जॉच को उदाहरण के माध्यम से होने वाले काइम को कैसे हल किया जाता है इसको पावर प्वाईट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यकम में महाविद्यालय के प्राचार्य, के.एल. टाण्डेकर, भौतिकशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीतीबाला टांक, सहायक प्राध्यापक डॉ. एस.के. पटेल, इस महाविद्यालय के अतिथि व्याख्याता श्रीमती उषा साहू, स्ववित्तिय शिक्षक चन्द्रप्रकाश नौरंगे एवं छात्र/छात्राऐ उपस्थित थे।

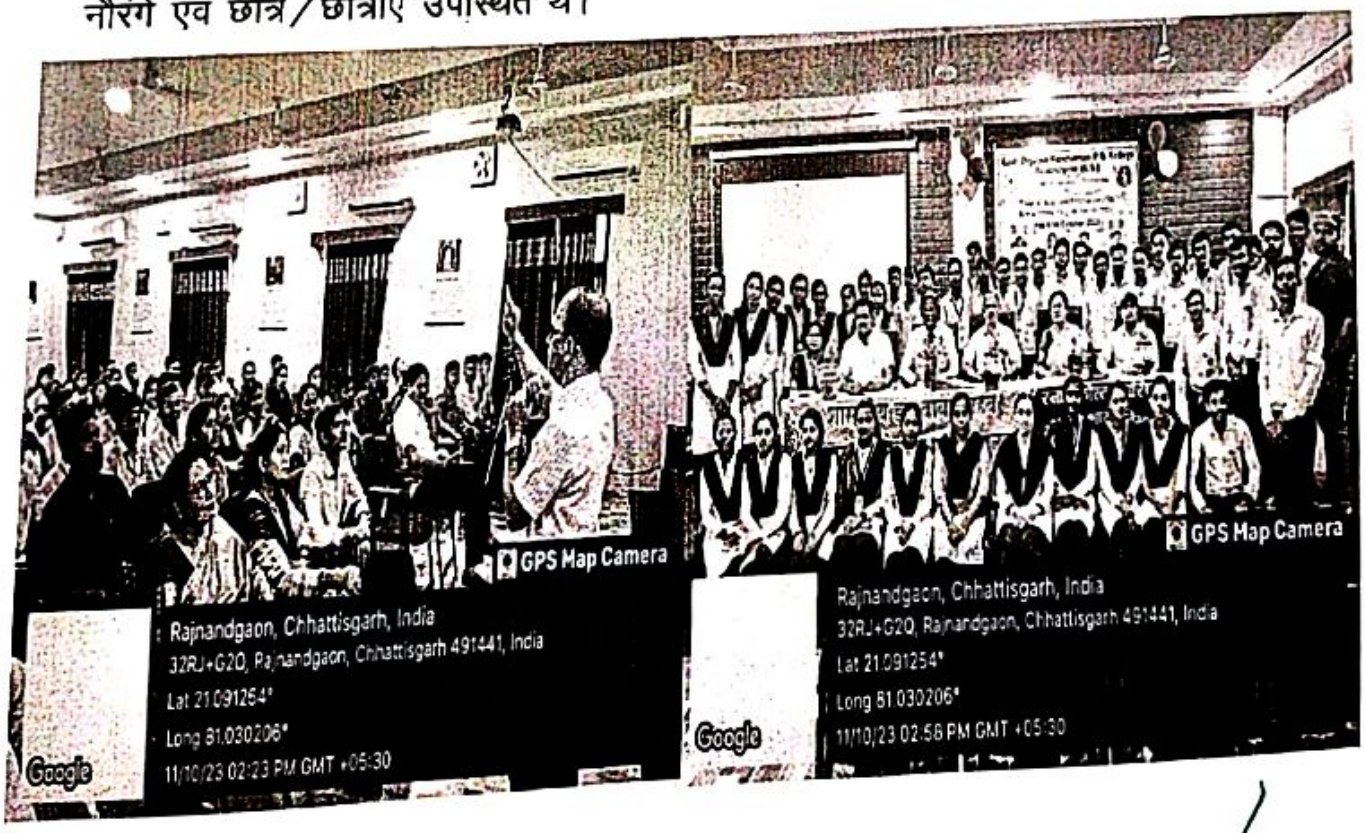

PRINCIPAL
Govt.Dr.B.S.B.A. P.G. College
Dongargaon, Distt-Rajnandgaon (C.G.)

Department of Physics

कार्यालय प्राचार्य,
शासकीय डॉ.बाबासाहेबभीमरावअम्बेडकर
स्नातकोत्तरमहाविद्यालय, डोंगरगांव
जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)
NAAC Accredited with B Grade
email-college.bsba@gmail.com , web site- www.bsba.com , Contact No.: 07745-271882

Debate Competition

On "Usages of Gandhian Principles in Today's World"

Date:- 03/10/2023

The debate is a discussion on a subject on which several people share their different opinions, it can be favourable towards the topic or it can be non-favourable. The students of P.G. English Literature, participated in a debate competition on 3rd October 2023. There were two teams in the debate. The students of both semesters were divided in affirmative and opposing teams. The students gave various opinions to justify their points. The affirmative team won the competition. The debate competition was organised under the guidance of faculty members of the English Department, Mr. Chandan Kumar and Mrs. Asha Verma.

Department of English
(1) Chandan Ku
(2) Asha verma

Principal
Govt. Dr.B.S.B.A PG College Dongargaon
Dist-Rajnandgaon (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य,
शासकीय डॉ.बाबासाहेबभीमरावअम्बेडकर
स्नातकोत्तरमहाविद्यालय, डोंगरगांव
जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)
NAAC Accredited with B Grade
email-college.bsba@gmail.com , web site- www.bsba.com , Contact No.: 07745-271882

Teacher's Day Celebration

Date:- 05/08/2023

Teacher's Day is a special occasion to honor and appreciate the invaluable contribution of educators in shaping our lives. In India, the birthday of the second president, Dr. Sarvepalli Radgakrishnan, is celebrated on 5th August every year. The PG students of the Department celebrated Teacher's Day on 5th August, 2023 in the class. Some passed out senior students from the Department, also joined and celebrated this day with other regular students. They ongranised a party and arranged cakes for the teachers. The students gave some gifts to the teachers and a framed picture of Mata Saraswati to the Department by the passed out students.

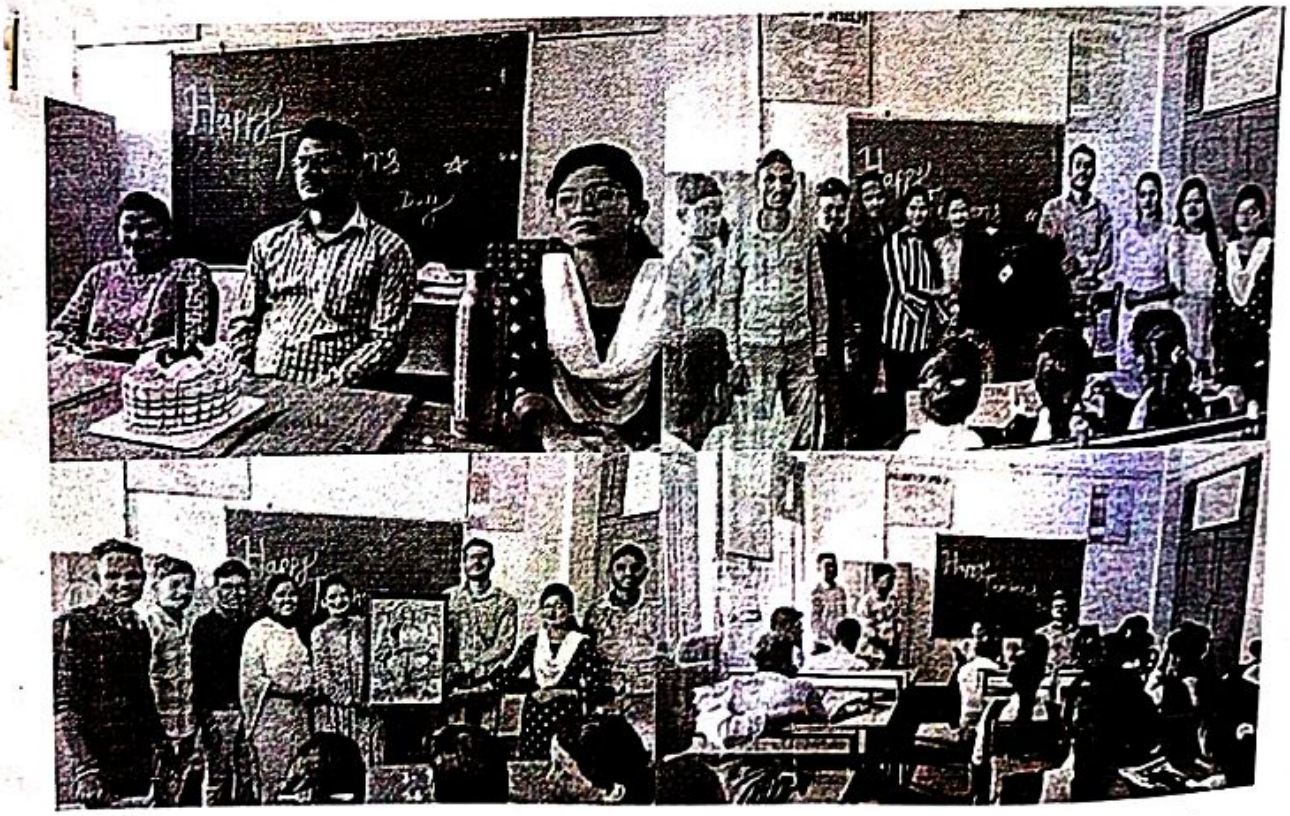

Department of English.
① Chandan Kumar
② Asha Verma Averma

Principal
Govt. Dr.B.S.B.A PG College Dongargaon
Dist-Rajnandgaon (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य,
शासकीय डॉ.बाबासाहेबभीमरावअम्बेडकर
स्नातकोत्तरमहाविद्यालय, डोंगरगांव
जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)
NAAC Accredited with B Grade
email-college.bsba@gmail.com , web site- www.bsba.com , Contact No.: 07745-271882

Seminar on "Importance of English Language"

Date:- 12/12/2023

English is an international language which is important for several reasons. Proficiency in English opens doors to diverse opportunities to connecting with people worldwide, making it a significant language in today's interconnected world. The Department of English organized a seminar on **"Importance of English Language"** for UG and PG students on 12th December, 2023. The chief speaker of the seminar was Mr. Uttam Kumar Sahu (Director of U.S. Educational Service) and Mr. Abhan Rao (Trainer). The seminar was organized by the faculty members of the Department, under the guidance of the principal, Dr. B.N. Meshram. More than 100 students attended the seminar.

Principal
Govt. Dr.B.S.B.A PG College Dongargaon
Dist-Rajnandgaon (C.G.)

Department of English
1) Chandan ku.

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव जिला–राजनांदगांव (छ0ग0)
NAAC Accredited with B Grade
email-college.bsba@gmail.com, web site- www.bsba.com, Contact No.: 07745-271882

दिनांक 06/05/2024

अतिथि व्याख्यान

दिनांक 06/05/2024 को प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) बी.एन.मेश्राम के मार्गनिर्देशन में तथा भौतिक शास्त्र के तत्वाधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री शिवेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक भौतिक शास्त्र, शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगांव उपस्थित थे। इस व्याख्यान का मुख्य विषय नेट एवं सेट पात्रता परीक्षा से संबंधित था जिसमें श्री शिवेन्द्र ने अपने उद्बोधन में नेट एवं सेट परीक्षा कैसे उत्तीर्ण करें तथा इसकी तैयारी किस प्रकार किया जाये इसके बारे में विस्तृत रूप से विद्यार्थियों को बताया। सबसे पहले नेट एवं सेट परीक्षा के लिए प्रथम प्रश्न पत्र एवं द्वितीय प्रश्न की तैयारी किस प्रकार एवं कौन–कौन सी बुक से करनी चाहिए उसके बारे में जानकारी दिये जिसमें श्री शिवेन्द्र ने रिफ्रेन्स बुक को ज्यादा प्राथमिकता दिने को कहा गया। प्रश्न पत्र प्रथम सामान्य पेपर तथा द्वितीय प्रश्न में विषय से संबंधित रिफ्रेंस बुक तथा कुछ महत्वपूर्ण लेखक की बुक से तैयारी करने को कहा गया जिसमें लेखक के. वी.एस मदान एवं दृष्टि पब्लिकेशन की बुक से तैयारी करने को कहा गया। साथ महाविद्यालय के प्राचार्य ने भी अपनी मत अपनी मत प्रस्तुत छात्र/छात्राओं के लिए किये। प्राचार्य महोदया ने अपने उद्बोधन में छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किये।

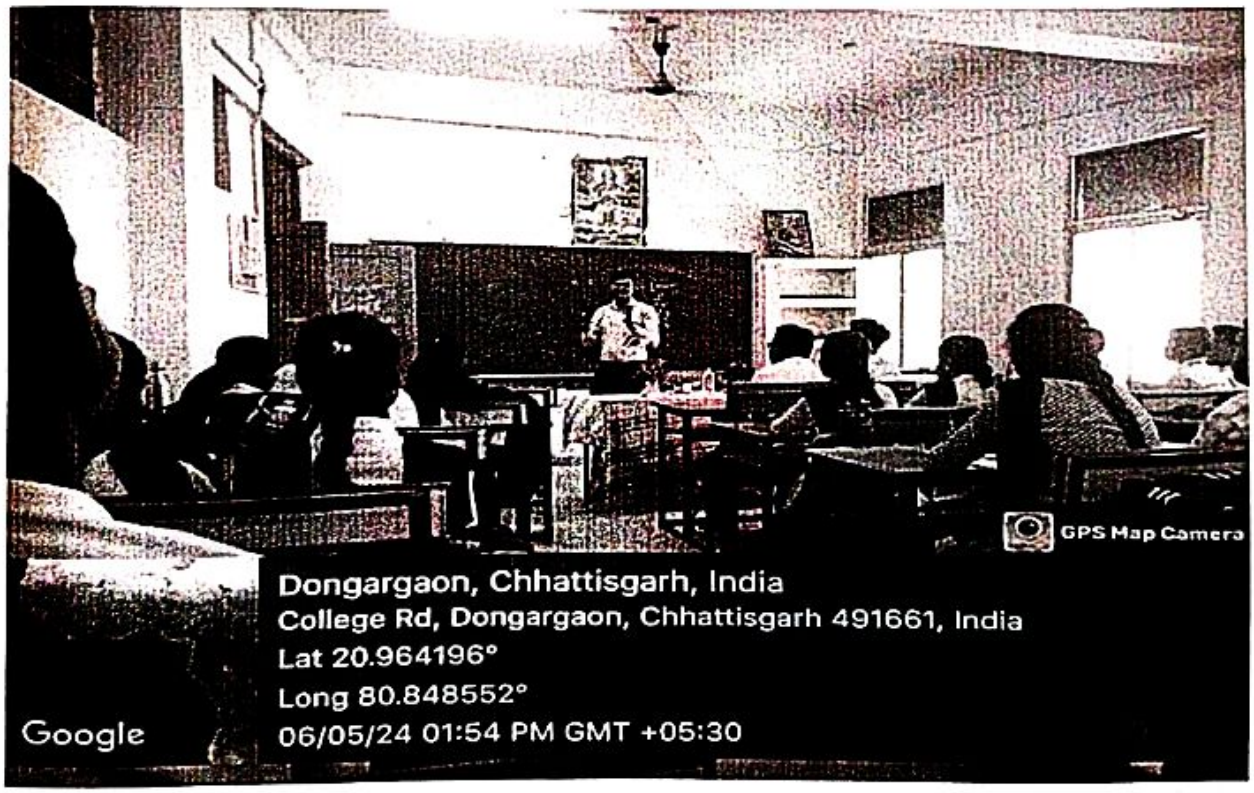

अतिथि व्याख्यान – श्री शिवेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक

PRINCIPAL
Govt.Dr.B.S.B.A. P.G. College
Dongargaon, Distt-Rajnandgaon (C.G.)

Department of Physics

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव जिला–राजनांदगांव (छ.ग.) ''
NAAC Accredited with B Grade
email-college.bsba@gmail.com , web site- www.bsba.com , Contact No.: 07745-271882

Nutrition Month In Home Science Department

27-09-2023

शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव में प्राचार्य डॉ. मती बी.एन. मेश्राम के निंदेशानुसार व गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा मेश्राम के द्वारा ए भाग एक, बी.ए. भाग दो व बी.ए. भाग तीन गृह विज्ञान के छात्र/छात्राओं के द्वारा 27.092023 को ाण माह मनाया गया। छात्र/छात्राओं ने LOW COST DIET व NUTRITIVE VALUE को ध्यान रखते हुये पकवान बनाये गये उनको बताया गया। सभी प्रकार के पोषक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, ोन, वसा, रेशा, विटामिन व आयरन युक्त भोज्य पदार्थ हमारे शरीर को स्वस्थ बनाये रखने के लिये ंत आवश्यक है।

डॉ.(श्रीमती) बी.एन.मेश्राम
प्राचार्य
शास. डॉ. बा. सा. भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)
NAAC Accredited with B Grade
email-college.bsba@gmail.com , web site- www.bsba.com , Contact No.: 07745-271082

ANAND MELA

Date - 24-01-2023

शासकीय डॉ.बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डोंगरगांव में प्राचार्य डॉ.(श्रीमती) बी.एन.मेश्राम के निर्देशानुसार गृहविज्ञान विभाग के छात्र/छात्राओं द्वारा आनंद मेला का आयोजन किया गया। आदंन मेला में विभिन्न प्रकार के स्टॉल चाट, गुपचुप, भेल, मुंगेडी, ब्रेड पकोड, लौकी पकोडा, सूप कस्टर्ड, चाईनीस पकोडा, अप्पे, इडली, चाय, पान, गुलाब जामुन, चना चटपटी, पापड, पपीता, कोल्ड ड्रींक, पेस्ट्री, केक का स्टॉल था जिसमें महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं ने खुब बढ़–चढ़कर हिस्सा लिए।

महाविद्यालय में आनंद मेला के साथ ललित कलायें में मेहदी, रगोंली, पुष्प सज्जा, पूजा थाली, केश सज्जा व पाक कला का भी आयोजन किया गया।

Prafima Meshram
Department of Home Science

डॉ.(श्रीमती) बी.एन.मेश्राम
प्राचार्य
शास. डॉ. बा. सा. भीमराव अम्बेडकर
स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव

Government College Majholi, Jabalpur

(Affiliated to RDVV, Jabalpur, M.P.)

One Day National Webinar on

Personality Development and Character Building

This is to certify that Dr./ Mr./Mrs/Ms. **Priyanki Gajbhiye**

From **Govt.Dr Baba Saheb Bhimrao Ambedker PG College Dongergaon** has participated in One Day National Level Webinar on "Personality Development and Character Building", organised by Government College Majholi, Jabalpur on 28 th May 2024.

Dr Shalini Yadav
Convenor

Shri Tanuj Chamoli
Principal & Patron

Made for free with Certify'em

Govt. Nehru PG College, Dongargarh
Dist. - Rajnandgaon (C.G.)

Email ID – collegedgg@gmail.com , Website – www.gnpgcollege.in
LL : 07823-296011 Accredited by NAAC with Grade "B+" (CGPA – 2.61)

00LIK8-CE000055

National Webinar

Dated : 25 September 2023

On

"Miracle Millet's the Future of Sustainable Agriculture"

Jointly Organized by

Department of Home Science, Women Cell & I.Q.A.C.

Certificate of Participation

This is to Certify that Dr./Mr./Mrs./Ms. **Priyanki Gajbhiye** , From - **Govt. Dr BSBA College Dongergaon** has successfully participated in the National Webinar On **"Miracle Millet's the Future of Sustainable Agriculture"** organized by **department of Home Science, Women Cell & I.Q.A.C.,** Govt. Nehru PG College, Dongargarh, dated on 25th September 2023.

Smt. Neelam Chturvedani	Dr. Asha Choudhary	Dr. R.R. Koche	Dr . E.V. Revaty
Convener	Coordinator - Women Cell	Coordinator-I.Q.A.C.	Patron & Principal
H.O.D. - Home Science	H.O.D. - History	H.O.D. - Economics	

Made for free with Certify

Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), INDIA
&
Social Science and Management Welfare Association

Two Days National Conference On Multidisciplinary Research in Tourism Industries Development in India

DATE : 26 - 27 September, 2023

VENUE : Govt. Digvijay Auto. P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), India

CERTIFICATE

This is to certify that Prof/Dr/Shri/Mrs./Mr./Ku.

Priyanki Gajbhiye

University / College / Organization

Assistant Professor (History), Govt. BSBA College, Dongergaon

Registration No. **190** Subject **History**

attended the Two Days National Conference On Multidisciplinary Research in Tourism Industries Development in India. National Conference jointly organized by Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.), India & Social Science and Management Welfare Association.

He / She successfully presented a paper entitled

Tourism Industries Development In India

Prof. (Dr.) Sudesh Kumar Sahu	Dr. K. L. Tandekar	Ms. Ragini Parate	Dr. S. K. Uke
Director - HRDC UGC R.U., Ranchi Dean Student's Welfare Ex Head & Dean Dept. of Commerce & Business Management, Ranchi University, Ranchi, Jharkhand Advisory Board Member SSMWA	President of Conference Principal, Govt. Digvijay Autonomous P. G. College, Rajnandgaon (C.G.) India Advisory Board Member SSMWA	Organizing Secretary Assistant Professor of Commerce Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.) Member SSMWA	Convenor H.O.D. Department of Commerce Govt. Digvijay Autonomous P.G. College, Rajnandgaon (C.G.)

Sponsored By

SRF International & National Research Journal & Book Publication House

INTELLECTUAL PROPERTY INDIA
PATENTS | DESIGNS | TRADE MARKS
GEOGRAPHICAL INDICATIONS

सत्यमेव जयते

NIPAM
NATIONAL IP AWARENESS MISSION

Government of India
Ministry of Commerce and Industry
Department for Promotion of Industry and Internal Trade
Office of the Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

CERTIFICATE

This is to certify that, **MS. PRIYANKI GAJBHIYE , FACULTY** of **GOVT. DR. BABA SAHEB BHIMRAO AMBEDKER PG COLLEGE DONGERGAON** has successfully participated in IP Awareness/Training program under

NATIONAL INTELLECTUAL PROPERTY AWARENESS MISSION

Azadi Ka Amrit Mahotsav

on September 22,2023

Organized by
Intellectual Property Office, India

Date:September 27,2023

(Prof. (Dr) Unnat P. Pandit)
CONTROLLER GENERAL OF
PATENTS, DESIGNS & TRADE MARKS

INDIRA GANDHI GOVERNMENT P.G. COLLEGE

Vaishali Nagar, Bhilai, Dist.: - Durg (C.G.)

ACCREDITED WITH GRADE B++ (CGPA 2.89) BY NAAC, BANGALORE

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

This is to certify that

Priyanki Gajbhiye

Has successfully completed one week National Online Faculty Development Program on

"INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM (IKS) 2023"

From 07th October, 2023 to 14th October, 2023

Dr. Smt. Shikha Shrivastava
Organizing Secretary
Indira Gandhi Government P.G. College
Vaishali Nagar, Bhilai, Dist.:- Durg (C.G.)

Dr. Smt. Alpa Shrivastava
IQAC Coordinator
Indira Gandhi Government P.G. College
Vaishali Nagar, Bhilai, Dist.:- Durg (C.G.)

Dr. Smt. Alka Meshram
Principal
Indira Gandhi Government P.G. College
Vaishali Nagar, Bhilai, Dist.:- Durg (C.G.)

Govt. Nehru PG College, Dongargarh
Dist. - Rajnandgaon (C.G.)

Email ID – collegedgg@gmail.com , Website – www.gnpgcollege.in
LL : 07823-296011 Accredited by NAAC with Grade "B+" (CGPA – 2.61)

00LIK8-CE000055

National Webinar

Dated : 25 September 2023

On

"Miracle Millet's the Future of Sustainable Agriculture"

Jointly Organized by

Department of Home Science, Women Cell & I.Q.A.C.

Certificate of Participation

This is to Certify that Dr./Mr./Mrs./Ms. Priyanki Gajbhiye , From - Govt. Dr BSBA College Dongergaon has successfully participated in the National Webinar On "Miracle Millet's the Future of Sustainable Agriculture" organized by department of Home Science, Women Cell & I.Q.A.C., Govt. Nehru PG College, Dongargarh, dated on 25th September 2023.

Smt. Neelam Chturvedani	Dr. Asha Choudhary	Dr. R.R. Koche	Dr . E.V. Revaty
Convener	Coordinator - Women Cell	Coordinator-I.Q.A.C.	Patron & Principal
H.O.D. - Home Science	H.O.D. - History	H.O.D. - Economics	

Made for free with Certify'em

GOVERNMENT COLLEGE RITHI DIST-KATNI (M.P.)

CERTIFICATE

NATIONAL WEBINAR

on

27 May 2024

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. **Priyanki Gajbhiye**
has participated/Presented a paper/delivered an invited talk ,in the one day National webinar on "Indian Knowledge Tradition" sponsored by Department of higher education, Goverment of M.P. ,and organised by Goverment college, Rithi,Katni(M.P.)

convenor
Dr.Shraddha Garg
Dept.Political science

co-convenor
Dr.Rahul Patidar
Dept.Computer science

Principal
Dr.Arvind Wasnik
Govt. college. rithi katni

Made for free with Certify'em

इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)

दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

'हिन्दी की महिला कथाकारों की मानवीय दृष्टि'

दिनांक- 09-10 फरवरी 2024

:: प्रमाण पत्र ::

प्रमाणित किया जाता है कि प्रियांकी गजभिये ने 'हिन्दी की महिला कथाकारों की मानवीय दृष्टि' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में महिला कथाकारों द्वारा नारी चेतना शीर्षक पर विषय विशेषज्ञ/प्रमुख वक्ता/वक्ता/ प्रतिभागी के रूप में शोधपत्र प्रस्तुत किया। सहभागिता के लिए सहृदय धन्यवाद एवं शुभकामनाएँ।

प्रो. राजन यादव
संयोजक

प्रो. गीता गहरवार
कुलसचिव

One week Faculty Development Programme

"NAVIGATING TO A BETTER WORLD: SUSTAINABLE DEVELOPMENT GOALS AND ACADEMIA"

(16-21 October, 2023)

Organized by

MAHARAJA AGRASEN UNIVERSITY, BADDI, HIMACHAL PRADESH

in Collaboration with

V.A.B. GOVT. COLLEGE CHHUIKHADAN, DURG UNIVERSITY, CHHATTISGARH

and

GOVT. NEHRU PG COLLEGE, DONGARGARH, CHHATTISGARH

Certificate of Participation

This is to certify that Prof./ Dr./ Mr./ Ms. Ms. Priyanki Gajbhiye of Govt.Dr. Baba Saheb Bhimrao Ambedkar PG College Dongergaon

attended One Week Faculty Development Programme.

Dr. Jayati Biswas
Principal Incharge
V.A.B. Govt. College,Chhuikhadan

Dr. E.V. Revaty
Principal Incharge
Govt. PG Nehru College,Dongargarh

Prof. (Dr.) Pardeep Singh Walia
Dean Academics
Maharaja Agrasen University

Govt. Kamladevi Rathi Mahila P.G. Mahavidyalaya

Rajnandgaon (C.G.)

FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME

ON

"RECENT TRENDS IN NUTRITION, MENTAL HEALTH AND SPORTS"

12th October to 19th October, 2023

Certificate of Participation

This is to certify that Prof./Dr./Mr./Ms. Priyanki Gajbhiye of Govt. Dr. Baba Saheb Bhimrao Ambedker PG College Dongergaon has participated in the Faculty Development Programme on "Recent Trends in Nutrition, Mental Health and Sports" Organized by Department of Home Science in Association with Internal Quality Assurance Cell (IQAC).

Dr. Renu Tripathi	Dr. Basant Sonber	Mrs. Mamta R Deo	Dr. Alok Mishra
Co-Convener	IQAC Coordinator	Convener	Principal/Patron

GOVERNMENT DIGVIJAY AUTONOMOUS PG COLLEGE, RAJNANDGAON, INDIA

First International Conference

on

"ROLE OF APPLIED SCIENCES IN SOCIAL IMPLICATIONS (IC-RASSI)"

SPONSORED BY

Autonomous Examination Cell, Janbhagidari Samiti & Chhattisgarh Environment Conservation Board

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

This certificate is proudly presented to

--------Miss Usha Sahu From Govt DR BSBA PG College Dongargaon

For having participating in the International Conference on Role of Applied Sciences in Social Implications (IC-RASSI), organized by Faculty of Science, Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajanandgaon, Chhattisgarh, India [illegible]th to 8th February, 2023.

DR. PRAMOD KUMAR MAHISH ORGANIZING SECRETORY	DR. HEMANT KUMAR SAW CO- CONVENER	DR. SURESH KUMAR PATEL CONVENER	DR. K. L. TANDEKAR PATRON PRINCIPAL

GOVERNMENT DIGVIJAY AUTONOMOUS PG COLLEGE, RAJNANDGAON, INDIA

One Week National Workshop

on

"ROLE OF APPLIED PHYSICS IN SKILL ENHANCEMENTS (NW-RAPSE-23)"

This

CERTIFICATE OF APPRECIATION

is hereby awarded to

MRS. USHA SAHU

GUEST LECTURER, DEPARTMENT OF PHYSICS

GOVT. DR. B.S.B.A. PG COLLEGE DONGARGAON, RAJNANDGAON (C.G)

For his valuable Contribution as Resource Person

at the

One Week National Workshop on Role of Applied Physics in Skill Enhancements (NW-RAPSE-23)

Organized By

Department of Physics, Govt. Digvijay Autonomous PG College, Rajnandgaon, India, on October 9th to 15th, 2023.

DR. P.B. TAUNK
CONVENER
NW-RAPSE-23

DR. K. L. TANDEKAR
PATRON
PRINCIPAL